





# सम्पादकीय

## डॉक्टरों के आचरण



जब से मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय विश्लेषण की नई परंपरा शुरू हुई है व्यक्ति का अपना पाप मानो कुछ रहा ही नहीं। उसे पूरी तरह से परिस्थितियों की उपज मान कर उसकी नैतिक जिम्मेदारी को बहुत हलके से लिया जाता है। बहुत ही आसानी से कहिए या बहुत ही बेशर्मी से कि आजकल व्यक्ति की जिम्मेदारी को यह कहकर कम से कम करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है कि वह भी क्या करे अथवा समय ही ऐसा है या समाज ही ऐसा है। यहां तक कि बलात्कार की सफाई तक यह कहकर दी जाने लगी है कि इसके लिए फैशनपरस्त औरतें ही जिम्मेदार हैं। वे ऐसे कपड़े पहनकर आखिर बाहर क्यों निकलती हैं कि किसी का मन काबू में न रह जाए। इस तरह अपना दोष दूसरों के सिर मढ़ने बात एक फैशन बनती जा रही है। इस संदर्भ में यदि हम फिल्म अभिनेता आमिर खान के टीवी कार्यक्रम सत्यमेव जयते की बात करें तो इसके चौथे एपिसोड में डॉक्टरों के लालच और निर्दयता की जमकर खिंचाई की गई। यह केवल भावनात्मक उबाल नहीं थी, बल्कि प्रत्येक आरोप के समर्थन में ठोस तर्क और प्रमाण उपलब्ध कराए गए थे। चिकित्सक बिरादरी में यदि अनुताप या परिताप की थोड़ी भी गुंजाइश होती तो इस प्रकरण के बाद आत्मनिरीक्षण की लहर दौड़ जाती। कम से कम मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया तथा डॉक्टरों के अन्य संगठन बैठक करके विचार करते कि चिकित्सा के पेशे में जो नैतिक गिरावट आ रही है उसे किस तरह रोका जाए। कहने को तो चिकित्सक भगवान नहीं होता, पर वह भगवान का एक प्रतिनिधि जरूर होता है और रोग तथा तकलीफ से भुगत रहे बीमार आदमी को त्राण दिलाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाता है। आज के डॉक्टर इस उपमा पर हंस सकते हैं, क्योंकि उनके लिए चिकित्सा और कुछ नहीं, बल्कि कमाने-खाने का जरिया मात्र है। परंतु यदि वे अपने रोगियों की भावनाओं को महसूस करने की कोशिश करेंगे तो उनकी समझ में आ जाएगा कि वे अपनी स्थिति का कितना गंभीर अवमूल्यन कर रहे हैं जो उन्हें कम से कम अपने और आने वाली पीढ़ी के लिए शायद नहीं करना चाहिए। बेशक कोई उनसे देवता की तरह आचरण करने का आग्रह नहीं करता पर यह अपेक्षा भी नहीं करता कि उनके व्यवहार में शैतान का तत्व दिखाई देने लगेगा। सत्यमेव जयते कार्यक्रम के जवाब में 21 मेडिकल संस्थानों के शिखर संगठन मेडस्केप ने यदि डॉक्टरों के बचाव में यह कहा होता कि दुर्भाग्य से बहुत से डॉक्टर पेशेगत नैतिकता और ईमानदारी का पालन नहीं कर रहे हैं जिसके लिए हम दुख व्यक्त करते हैं तब भी गनीमत थी। पर इस संगठन का आरोप है कि आमिर खान ने इस कार्यक्रम के द्वारा डॉक्टरों के पेशे को बदनाम किया है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। यह सच है कि सभी डॉक्टर मुद्राराक्षस या कसाई नहीं हो गए हैं और यह भी कि चिकित्सा के पेशे की अनेक बुराइयां वर्तमान औद्योगिक संस्कृति की विकृतियों की देन हैं। खासकर अस्पतालों में जहां डॉक्टर कोई स्वतंत्र व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विराट तंत्र का पुरजा भर होता है, लेकिन मेडस्केप के इस तर्क को गले से नीचे उतारने के लिए बेहद संवेदनहीन होना पड़ेगा कि डॉक्टर भी इसी सामाजिक परिवेश में रहते हैं इसलिए उनके आचरण की कोई अलग कसौटी नहीं बनाई जा सकती। क्या कोई डॉक्टर भ्रष्ट और लुटेरा है तो ऐसा इसलिए कि यह समाज ही भ्रष्ट और लुटेरा है। यह गहरी चिंता का विषय है कि मेडस्केप के कर्ताधर्ता चिकित्सा के पेशे को उज्जवल बनाने के बारे में सोचने की बजाय अपनी सामाजिक छवि से बेखबर चिकित्सकों के दलाल की तरह आचरण कर रहे हैं। इसमें तो किसी तरह का संदेह ही नहीं है कि सामाजिक पतन का कुछ न कुछ प्रभाव जीवन के हर पहलू पर पड़ता है। परंतु इसीलिए तो समाज के कुछ वर्गों को अन्यो से ऊंचा माना जाता है तथा उनका विशेष आदर किया जाता है कि वे सामान्य व्यक्तियों की तरह लालच में नहीं पड़ेंगे और अपने आचरण से दूसरों के सामने अलग प्रतिमान पेश करेंगे। उदाहरण के लिए हमारे शिक्षक भी इसी कोटि में आते हैं। उनसे आशा की जाती है कि वे नई पीढ़ी का चरित्र निर्माण करेंगे तथा दूसरों की तरह पतन के गड्ढे में गिरने के लिए बेताब नहीं रहेंगे। साधु-संन्यासियों का सम्मान इसीलिए किया जाता है कि वे भौतिक प्रलोभनों से बचेंगे तथा धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन जिएंगे। इसी तरह लेखक और कलाकारों से भी उच्च कोटि की नैतिकता की आशा की जाती है। पत्रकारिता भी एक ऐसा ही पेशा है जिसमें समाज के हित को व्यक्ति के हित से ऊंचा मानने का आग्रह होता है। कह सकते हैं यह वह वर्ग है जो समाज का नैतिक नेतृत्व करता है। स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान राजनीति का स्वरूप भी ऐसा ही था। नेता वास्तव में समाज का अगुआ नेतृत्वकर्ता होता था। चिकित्सा के व्यवसाय को क्या इसी श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। दुर्भाग्य से भारत में आधुनिक चिकित्सा की शुरुआत के समय से ही यह क्षेत्र पैसा कमाने की दृष्टि से बहुत उर्वर रहा है। पहले धनी-मानी घरों के बच्चे ही डॉक्टरी की पढ़ाई कर पाते थे। शायद यही कारण था कि अपने रहन-सहन के स्तर को ऊंचा रखने के लिए वे तगड़ी फीस लेते थे। दुर्भाग्य से आज उसी अर्थकेंद्रित संस्कृति का फैलाव हमें हर तरफ नजर आता है। इसमें जिसको भी जहां मौका मिल पा रहा है वहीं अपना फायदा और अधिक मुनाफा उठाता दिख जाएगा। मुनाफा कमाने की इस दौड़ में दवा कंपनियां अलग से तबाही मचा रही हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि उन पर किसी तरह का शासकीय नियंत्रण नहीं है। पहले अस्पताल धर्मार्थ खोले जाते थे अब समय बदल गया है इसलिए यह मुनाफा कमाने के लिए चलाए जाते हैं। पतन की यह रफतार फिलहाल तो रुकने वाली नहीं है, लेकिन क्या इसीलिए हमें पतन के तर्क को भी स्वीकार कर लेना चाहिए? कम से कम विचार को तो बचाकर रखना चाहिए वरना गिरावट की कोई सीमा नहीं रह जाएगी और न ही कोई मापदंड बचेगा।

# भयावह भ्रष्टाचार का उपचार

आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी की गिरफ्तारी से यह फिर से स्मरण हो जाता है कि भारत में भ्रष्टाचार जिंदा है और फल-फूल रहा है। सीबीआई के अधिवक्ता के अनुसार, जगन चार साल की छोटी-सी अवधि में ही धन कुबेर हो गए। उन्होंने अपने पिता राजशेखर रेड्डी के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए अपनी कंपनियों में काले कारनामे करने वाले लोगों को धन निवेश करने को मजबूर किया। कुछ साल पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि कैबिनेट मंत्री, ताकतवर राजनेता, मुख्यमंत्री के बेटे, वरिष्ठ अधिकारी और कंपनियों के सीईओ भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा रहे होंगे।

भारत में भ्रष्टाचार कोई नई चीज नहीं है। नया यह है कि हम किस प्रकार इससे निपट रहे हैं। सीबीआई बेहद प्रभावशाली लोगों की गिरफ्तारी से भी नहीं डर रही है। इस बदलाव का क्या कारण है? मेरे विचार में यह बदलाव अधीर और आत्मविश्वास से भरपूर मध्यम वर्ग की प्रतिक्रिया, सुप्रीम कोर्ट व कैंग की सक्रियता और इनका समर्थन करने वाले मीडिया के कारण आया है। नजरिये में इस बदलाव का उद्घोष अन्ना हजारे के आंदोलन में भी हुआ था।

हालांकि एक भी आरोपी को अब तक सजा नहीं मिल पाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में जीत तब तक नहीं मिलेगी जब तक आरोपियों के खिलाफ तेजी से अदालती कार्यवाही नहीं चलेगी और दोषी पाए जाने वाले को सजा नहीं मिलेगी। इस बीच लोकपाल बिल फिर से ठंडे बस्ते में चला गया है और अन्ना हजारे ने हुंकार भरी है कि वह एक और अनशन करेंगे। उनके आंदोलन में खामी यह है कि उन्होंने सारे अंडे एक ही टोकरी में रख लिए हैं। इसलिए उनकी सफलता का पैमाना लोकपाल बिल के पारित होने या न होने पर निर्भर करता है, किंतु भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए अनेक कदम उठाने की आवश्यकता है। इनमें प्रशासनिक, न्यायपालिका और पुलिस सुधारों की आवश्यकता है। यही नहीं, अन्ना हजारे भ्रष्टाचार के मूल कारण पर भी शांत हैं। भ्रष्टाचार अधिकारियों और राजनेताओं को अत्यधिक अधिसत्ता सौंपने का नतीजा है। इसके कारण उद्यमियों और राजनेताओं में एक

अलग तरह के पूंजीवाद की संस्कृति विकसित हो रही है। जगन मोहन रेड्डी मामले की जड़ में भी यही संस्कृति है। भ्रष्टाचार का जवाब है आर्थिक सुधार। अर्थव्यवस्था के उदारीकरण से राजनेताओं और अधिकारियों के हाथ से निकलकर फैंसले लेने की शक्ति बाजार को मिल जाती है। उद्यमियों के बीच प्रतिस्पर्धा ही यह तय करती है कि किस चीज का उत्पादन किया जाए, किसके द्वारा किया जाए, किस कीमत पर किया जाए और इसकी क्या गुणवत्ता हो। भारत में भ्रष्टाचार का बोलबाला इसलिए है, क्योंकि यहां आर्थिक सुधार अधूरे हैं। भ्रष्टाचार उन्हीं क्षेत्रों में फैला है जिनमें सरकार सुधार लागू नहीं कर पाई है, जैसे खनन, रियल एस्टेट, शिक्षा, ढांचागत सुविधाओं का निर्माण और सरकारी खरीद।

उदाहरण के लिए पिछले कुछ सालों में दो मुख्यमंत्री-मधु कोड़ा और बीएस येदुरप्पा खनन घोटाले में जेल जा चुके हैं। दूसरी तरफ जिन क्षेत्रों में सरकार सुधार लागू कर चुकी है उनमें भ्रष्टाचार बहुत कम हो गया है। 1991 में आर्थिक सुधार शुरू होने से पहले भारत में अब से भी अधिक भ्रष्टाचार था। सरकार का अर्थव्यवस्था में अधिक हस्तक्षेप था और यहां लाइसेंस राज का शासन चलता था। उन दिनों भ्रष्टाचार इसलिए अधिक बढ़ गया था कि सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर कराना एक बड़ा भारी काम माना जाता था। उन दिनों कोई भी काम शुरू करने से पहले लाइसेंस, परमिट और कोटा हासिल करने के लिए इस प्रकार के दर्जनों कागजों की आवश्यकता पड़ती थी। इस भ्रष्टाचार को सूटकेस भ्रष्टाचार भी कहा जाता था, क्योंकि घूस की रकम सूटकेस में रखकर ले जाई जाती थी। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए 1966 में सरकार ने संथानम कमेटी का गठन किया।

उच्च पदों पर भ्रष्टाचार की जांच के लिए लोकपाल का विचार संथानम कमेटी की ही देन थी। विडंबना यह है कि स्पष्ट तौर पर टीम अन्ना ने यह रिपोर्ट नहीं पढ़ी है और इसीलिए वह भ्रष्टाचार की जड़ तक नहीं पहुंची है। न ही यह रपट हमारे राजनेताओं ने पढ़ी है। यहां तक कि सुधारवादियों ने भी बाजार

प्रतिस्पर्धा और मुक्त उद्यमिता के समर्थन में जनमत जुटाने का प्रयास किया है। इसलिए जब भी कुछ गड़बड़ होती है तो लोग तुरंत अधिकारियों को और अधिक अधिसत्ता देने की वकालत करने लगते हैं। दो साल पहले एक जनमत संग्रह में आठ प्रमुख शहरों के 83.4 फीसदी लोगों ने कहा था कि उदारीकरण के बाद भ्रष्टाचार बढ़ा है। इससे यही सिद्ध होता है कि लोग अब भी भ्रष्टाचार और सुधार के अभाव में सहसंबंध स्थापित नहीं कर पा रहे हैं। टेलीकॉम में सबसे बड़ा घोटाला कैसे हुआ? यह वह क्षेत्र है जिसमें संभवतः सुधारों की सबसे सफल गाथा लिखी गई है। पूरी दुनिया में भारत में मोबाइल की दरें सबसे कम हैं और ग्राहकों की संख्या के मामले में इसका विश्व में दूसरा स्थान है।

इस सफलता के पीछे बाजार प्रतिस्पर्धा का हाथ है। तब 2जी घोटाले की व्याख्या कैसे की जा सकती है? जिस एक चीज पर बाजार का नियंत्रण नहीं था, वह था रेडियो स्पेक्ट्रम। यह घोटाला टाला जा सकता था अगर लाइसेंस खुली, पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के तहत दिए जाते। बहुत से अर्थशास्त्री भ्रष्टाचार का संबंध व्यापार करने की आर्थिक स्वतंत्रता से जोड़ते हैं, जहां जनता और व्यवसाय राजनेताओं व नौकरशाहों की दया पर निर्भर नहीं करते। इस स्वतंत्रता का आकलन हेरिटेज फाउंडेशन करती है, जबकि भ्रष्टाचार सूचकांक का आकलन ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल करती है। 2010 में विश्व के सबसे कम भ्रष्ट देश व्यापारिक स्वतंत्रता के संबंध में भी शीर्ष दस में शामिल थे। इनमें न्यूजीलैंड, सिंगापुर, डेनमार्क, कनाडा, स्वीडन, फिनलैंड और आइसलैंड शामिल हैं। हमें भ्रष्टाचार के सही कारणों को समझ कर सुधारों के पक्ष में आवाज उठानी चाहिए। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए आर्थिक सुधारों के अलावा जांच एजेंसियों को स्वायत्त बनाने के लिए पुलिस सुधार, जल्द न्याय दिलाने के लिए न्यायिक सुधार और सुशासन लाने के लिए प्रशासनिक सुधारों की भी आवश्यकता है। और अंत में, अपराधियों के राजनीति में प्रवेश पर रोक लगाने के लिए राजनीतिक सुधारों की सख्त आवश्यकता है।



Asmita welfare Society  
A Society For Protection of Human Rights

Join Hands  
to

"SAVE YOUR RIGHTS"  
Become a Member of  
"Asmita Welfare Society"  
to Protect the Human Rights

Contact:

9910786596, 9868783613, 9910515121



# चांदनी चौक में बरकरार है पुरातन परंपरा

नगर संवाददाता

नई दिल्ली। मुगलकालीन दिल्ली आधुनिक दिल्ली में तब्दील हो चुकी है। लेकिन चांदनी चौक में खरीदारी करने की पुरातन परंपरा अभी भी बरकरार

खरीदारी करनी हो या फिर दूल्हे के कपड़ों व अन्य सामग्री की, सभी खरीदारी कुछ ही दूरी के अंतराल में पूरी हो जाती है। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्कटाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश बिंदल



है। एक साथ धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ-साथ खरीदारी और खानपान की यहां भरपूर व्यवस्था है। शादी ब्याह के समय तो चांदनी चौक आए बिना लोगों की खरीदारी पूरी हो ही नहीं पाती है। चाहे साड़ी, आभूषणों की

कहते हैं कि चांदनी चौक में मुगलकाल से ही बाजार है। जब शासन लाल किले से चलता था तो कारीगर यहां दूर-दूर से सामान बेचने आते थे। वापसी में वह बचा हुआ सामान साथ ले जाते थे। बाद में स्थानीय लोगों ने बचे हुए

सामान को खरीदकर बेचना शुरू किया तो कालांतर में कारीगर उन्हीं दुकानदारों को सामान बेचने लगे। फिर तो यह मशहूर बाजार बनता चला गया। यह ऐसा एकमात्र मार्केट है जहां महज आधा किलोमीटर की दूरी में कई धर्मों के पूजा स्थल हैं।

इनमें गौरीशंकर मंदिर, जैन मंदिर, बैपटिस्ट चर्च, गुरुद्वारा और आर्य समाज मंदिर और मसजिद हैं। चांदनी चौक मेन रोड पर जहां पर्यटक केंद्रित दुकानें हैं। जिनमें रेडीमेड कपड़े, जूते, अटैची, चश्मे सहित अन्य उपभोक्ता सामग्रियों की दुकानें हैं। वहीं तीन दर्जन से अधिक कटरों में साड़ियों, सूट व कपड़े की थोक दुकानें हैं। कटरों में ज्वेलरी का भी थोक मार्केट है। चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गोयल कहते हैं कि चांदनी चौक में ग्राहक और दुकानदार के बीच जो आत्मीयता और विश्वास देखने को मिलता है वह कहीं और नहीं है। जैसे यहां दुकानों को दूसरी तीसरी पीढ़ी संभाल रही है उसी तरह ग्राहकों की भी एक पीढ़ी के बाद दूसरी तीसरी पीढ़ी यहां खरीदारी के लिए आती है।

# गरीब कैदियों की मदद को बढ़ाए हाथ

संवाददाता

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद करीब 2,200 कैदियों से आर्थिक तंगहाली के कारण परिवार के लोगों ने नाता तोड़ लिया है। इनसे मुलाकात करने परिवार का कोई सदस्य जेल नहीं आता। कुछ ऐसे भी कैदी हैं, जिनके पास जेल से रिहाई के बाद घर जाने के लिए भी पैसे नहीं होते। इन कैदियों की मदद करने के लिए तिहाड़ प्रशासन ने हाथ बढ़ाए हैं। जेल प्रशासन की ओर से मिलने वाली मदद से ये गरीब कैदी हर महीने 500 रुपये का सामान कैटीन से खरीद सकेंगे। इनकी रिहाई के बाद घर जाने का खर्च भी जेल प्रशासन उठाएगा। बताया जा रहा है कि जेल में सर्व किया गया। इसमें पता चला कि 2,200 कैदियों के मुलाकाती नहीं आते। ये सभी कैदी मूलरूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व कई अन्य राज्यों के हैं। मुलाकात के लिए दिल्ली आने-जाने में काफी खर्च बैठ जाता है। इसलिए मुलाकाती नहीं आते। जेल के प्रावधानों के मुताबिक जिन कैदियों से मिलने मुलाकाती आते हैं, वे कैदियों का स्मार्ट कार्ड रिचार्ज करा जाते हैं। इसके माध्यम से कैदी जेल

कैटीन से इच्छा के मुताबिक खाने-पीने की चीजें या अन्य सामान खरीद पाते हैं। जिन कैदियों के मुलाकाती नहीं आते, वे इस सुविधा से वंचित रह जाते हैं। तिहाड़ के महानिदेशक नीरज कुमार ने पिछले हफ्ते सभी नौ केंद्रीय सब-जेलों व रोहिणी जिला जेल के अधीक्षकों को स्पर्श योजना लागू करने का आदेश जारी किया है। जेल के कानून अधिकारी व प्रवक्ता सुनील गुप्ता ने कहा कि कैदी वेलफेयर फंड या एनजीओ की मदद से गरीब कैदी हर महीने 500 रुपये तक का सामान खरीद सकेंगे।

जेल वेलफेयर आफिसर कैदियों की आर्थिक व मानसिक स्थिति जानने के लिए सीधे संवाद करेंगे। बीमार कैदियों का इलाज कराया जाएगा। गरीब कैदियों की रिहाई होने पर घर जाने के लिए बस किराये की व्यवस्था जेल प्रशासन करेगा। कैदियों को रजिस्टर में दस मुलाकातियों के नाम दर्ज कराने पड़ते हैं। मुलाकात के लिए राशन कार्ड, डीएल या कोई अन्य पहचान पत्र दिखाना जरूरी है। किसी गरीब कैदी का मुलाकाती किसी कारणवश बिना पहचान पत्र के आ जाए तो भी वह मुलाकात कर सकेगा।

# अन्ना और रामदेव के साथ आने से आंदोलन होगा तेज

संवाददाता

नई दिल्ली। संसद मार्ग पर रामदेव के भ्रष्टाचार व काले धन के खिलाफ के एक दिवसीय धरने को समर्थन देने देश भर से लोग पहुंचे। रामदेव व अन्ना को साथ देख लोगों का कहना था कि यह एकता आगे भी चली तो केंद्र सरकार को जल्द ही झुकना पड़ेगा। राजस्थान के चुरू जिले के रणधीर ढाका का

एकजुट होकर भ्रष्टाचार व काले धन के खिलाफ छेड़ी गई देशव्यापी मुहिम को और प्रभावी बनाएंगे। मुंबई के राज शर्मा ने कहा कि उन्हें लगता कि देश में अब कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रह गई है जिसपर जनता पूर्ण रूप से यकीन कर सके। आलोचना व प्रशासन में खोट बताने वाली वही पार्टी सत्ता में आते ही असली रंग दिखा देती है। ऐसे



कहना है कि मुझे बहुत खुशी है कि रामदेव ने अपने कार्यक्रम में अन्ना को भी बुलाया। दोनों के साथ आने से आंदोलन को निश्चित रूप से बल मिलेगा। राजस्थान के सुगवाराम का कहना था कि भ्रष्टाचार व काले धन के खिलाफ इस आंदोलन में भले ही पिछली बार रामदेव असफल रहें, लेकिन इस बार उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। मैं अन्ना व रामदेव दोनों के समर्थन में हूं।

पंजाब के जालंधर जिले के अभिनव ने कहा कि मुझे लगता है कि रामदेव ने अपने मंच पर अन्ना को साथ लाकर बहुत अच्छा किया है। उनके इस प्रयास से न सिर्फ अन्ना व रामदेव समर्थक साथ-साथ होंगे, बल्कि आंदोलन की ताकत दोगुनी हो जाएगी। दिल्ली के राहुल ने कहा कि अन्ना व रामदेव के एक साथ होने के सकारात्मक परिणाम निकलेंगे।

मुंबई से आई अंजली सिंह का कहना था कि मुझे पूरी उम्मीद है कि अन्ना व रामदेव के साथ होने से आंदोलन तेजी से फैलेगा और दोनों के समर्थक

में रामदेव व अन्ना द्वारा राजनीतिक बुराईयों को दूर करने का प्रयास आशा की एक किरण है। धरने में शामिल अन्य लोगों ने भी अन्ना और बाबा के साथ मिलकर आंदोलन करने की नीति की सराहना की। बगैर लाठी डंडे के सुरक्षा में तैनात रहे पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस ने रविवार को संसद मार्ग पर बाबा रामदेव के अनशन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। इसमें दिल्ली पुलिस सहित अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात थे। इनमें किसी के पास हथियार नहीं था। अनशन कार्यक्रम की सुरक्षा इंतजाम के मद्देनजर दिल्ली पुलिस के 250 जवानों की तैनाती की गई थी। 10 अर्द्धसैनिक बलों की कंपनियां भी तैनात थीं। सारे पुलिसकर्मी शांतिपूर्ण अनशन में अपना सहयोग दे रहे थे। पुलिसकर्मियों के पास हथियार नहीं थे। किसी के पास लाठी-डंडे भी नहीं थे। समर्थक भी शांतिपूर्ण तरीके से सहयोग कर रहे थे। ज्ञात हो कि गत वर्ष जून में रामलीला मैदान में बाबा रामदेव के समर्थकों पर लाठियां भांजी गई थी।

# अगर छोड़ी नौकरी, तो गुजारा-भत्ता नहीं

संवाददाता

नई दिल्ली। गुजारा-भत्ता कानून के हो रहे दुरुपयोग पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। उसने साफ किया है कि अगर खर्च उठाने में सक्षम पढ़ी-लिखी महिला अपनी मर्जी से नौकरी छोड़ती है, तो वह पति से गुजारा-भत्ता लेने की हकदार नहीं है। एक महिला की याचिका खारिज करते हुए जस्टिस प्रतिभा रानी ने यह व्यवस्था दी। याचिका में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। निचली अदालत ने महिला को इस आधार पर गुजारा-भत्ता देने से इन्कार किया था कि वह पढ़ी-लिखी हैं और पूर्व में काम करती रहती हैं। उन्होंने अपनी मर्जी से नौकरी छोड़ी। निचली अदालत के फैसले को कायम रखते हुए जस्टिस रानी ने कहा कि अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश को महिला को अंतरिम राहत न देने का फैसला उचित था। पचास हजार रुपये कमा रही महिला का नौकरी न करने

का फैसला निजी था, जबकि वह ऐसा करने में सक्षम थीं। उनमें दूसरी नौकरी तलाशने की भी काबिलियत है। बच्चे की देखरेख के लिए निचली अदालत ने



पति को दस हजार रुपये देने को कहा था। यह बच्चे को मिलता रहेगा।

दिल्ली की रहने वाली इस महिला ने कोर्ट को बताया था कि वह बतौर असिस्टेंट मैनेजर निजी बीमा कंपनी में काम करती थी। अचानक फर्म बंगलूर में शिफ्ट हो गई। लिहाजा उसे नौकरी छोड़नी पड़ी। उसकी दलील थी कि निचली अदालत का आदेश था कि बच्चे

को पिता से समय-समय पर मिलने दिया जाए। बंगलूर न जाने का यह भी एक कारण था। इस पर पति के वकील ने जवाब दिया कि मुलाकात के अधिकार

के आदेश में संशोधन के लिए महिला की ओर से किसी कोर्ट में अपील नहीं की गई। गुजारे-भत्ते के लिए महिला की अपील का विरोध करते हुए वकील ने आगे कहा कि समय के साथ बच्चा स्कूल जाने की उम्र में पहुंच गया है।

लिहाजा महिला के लिए काम करने में कोई असुविधा नहीं है।

महिला की याचिका खारिज करने में जस्टिस रानी ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले का संदर्भ लिया। कोर्ट के अनुसार यदि दोनों पढ़े-लिखे हैं और उन्हें कहीं न कहीं नौकरी मिल सकती है, तो खाली बैठकर उनमें से किसी एक के ऊपर निर्भर रहने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

# बहुत आसान है वोटर आई कार्ड बनवाना

मतदाता पहचान पत्र न केवल वोट देने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है बल्कि यह आपके पहचान पत्र का भी काम करता है। वोटर आइ कार्ड बनवाने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आपका नाम उस क्षेत्र की वोटर लिस्ट में हो। इसके लिए फार्म छह भरना होगा। इसके लिए जरूरी है कि वर्ष के जनवरी माह के प्रथम दिन आपकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो। अगर आपके माता-पिता का नाम पहले से ही मतदाता सूची में शामिल है तो कोई परेशानी नहीं है। आपके पास वर्तमान पते का कोई प्रमाण नहीं है तो इसके लिए महज डाक विभाग की कोई भी डाक जो आपके पते पर प्राप्त हुई हो, उसे आवासीय प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार किया जाएगा। बस आपके पास कोई फोटो पहचान पत्र

होना चाहिए। इसके अलावा आयु प्रमाण पत्र देना होगा। नगर निगम द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र के अलावा मान्यता प्राप्त स्कूल के पांचवीं, आठवीं या दसवीं कक्षा की अंक तालिका में मौजूद जन्म तिथि भी मान्य है। ग्राम पंचायत के सरपंच या नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया गया आयु प्रमाण पत्र भी मान्य होता है। कुल मिलाकर मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए हर तरीके के विकल्प मौजूद हैं। इसके लिए जिले के पंजीकरण कार्यालय में जाना होगा। अगर आपके पास पहले से ही वोटर आइ कार्ड है तो नई जगह पर मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाते समय फार्म 6 में इसका उल्लेख अवश्य करें। वरना दो जगह मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना अपराध की श्रेणी में आता है।



## अपहरण के आरोप में 4 गिरफ्तार, एक फरार

कटक। अपहरण के आरोप में 4 को कटक जीआरपी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है जबकि एक फरार होने में कामयाब रहा है। गिरफ्तार होने वालों में शामिल बालेश्वर गुआला के सुधांशु कामिला, सनिया महालिक, केन्द्रापड़ा, अब्दुलपुर का भारत मलिक एवं प्रशांत साहू। इन चारों अपहरणकारियों के चंगुल से सुकुमार जेना नामक युवक को छुड़ाया गया है।



पुलिस से मिली सूचना मुताबिक बालेश्वर बस्ता थाना अंतर्गत बड़धनाड़ी गांव का सुकुमार कटक टांगी इलाके में एक श्रमिक

के तौर पर काम कर रहा था कि तभी 5 युवक उसे पिछली 20 तारीख को अगवा कर लिया। इसके बारे में उसके भाई

रत्नाकर जेना को पता लगते ही उसने जीआरपी थाना में आरोप लाया और अपहरणकारी 40 हजार रुपया मांगने की सूचना दिया। जीआरपी थाना अधिकारी ममता पति की अगुवाई में एक टीम इस अपहरणकारी गिरोह पर शिकंजा कसने के लिए तैयार हुई। पहले अपहरणकारियों के फोन को ट्रैक कर इन पर शिकंजा कसा गया। टांगी बईचुआ

इलाके से पुलिस ने इन्हें दबोच लिया है। गिरफ्तार होने वाले सभी श्रमिक श्रेणी के हैं, जो कि सुकुमार को पहले से जानते थे और ये सभी श्रमिक हैदराबाद में एक साथ काम कर रहे थे। पूर्व रंजिश या पैसे की लालच में अगवा किए जाने की सूचना पुलिस ने दी है।

## भाजपा एवं कांग्रेस से रहेगी दूरी: नवीन

भुवनेश्वर। नवीन पटनायक द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रपति प्रत्याशी संगमा को भाजपा एवं इसके गठबन्धन द्वारा समर्थन दिए जाने को लेकर बीजू जनता दल के एनडीए में शामिल होने की अफवाह अब पूरे राज्य में जोर पकड़ रही है। दिल्ली में पीए. संगमा द्वारा नामांकन पत्र भरे जाने के समय नवीन पटनायक एवं एल.के.आडवाणी साथ-साथ नजर आए। सांगमा को समर्थन कर भाजपा भी एनडीए से बिछड़े बीजू जनता दल को पुनः अपने साथ शामिल करने के लिए आतुर है। यहां तक कहा जा रहा है कि इंग्लैण्ड जाने से पहले नवीन पटनायक ने आडवाणी से भी मुलाकात की थी। कंधमाल दंगे के बाद आदिवासी एवं ईसाई विरोधी ध्वजे से बचने के लिए



सहयोगी तथा राज्यसभा सांसद प्यारी मोहन महापात्र का हाथ था। लेकिन अब नवीन और प्यारी के बीच बीच दरार पड़ जाने से ऐसा माना जा रहा था कि नवीन पटनायक पुनः एनडीए में शामिल हो जाएंगे।

इस बारे में दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को पूछे जाने पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा एवं कांग्रेस के साथ दूर-दूर तक उनका कोई तालमेल होने की संभावना नहीं है। दोनों दलों से बीजद समान दूरियां बनाए रखेगी। मुख्यमंत्री के इस स्पष्टीकरण के बाद एनडीए के लिए सांगमा का समर्थन देना अब प्रश्नवाचक बन गया है।

## भाजपा ने शैलेंद्र को निकाला

संवाददाता देहरादून। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी की कोटद्वार विधानसभा सीट पर पराजय की गाज पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत पर गिर ही गई। पार्टी ने रावत समेत कोटद्वार और रुद्रप्रयाग के चार-चार पार्टी नेताओं को छह साल के लिए भाजपा से निष्कासित कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष बिशन सिंह चुफाल के मुताबिक विधानसभा चुनाव में अनुशासनहीनता के कारण ही इन नेताओं पर यह कार्यवाही की गई है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा महज एक सीट से पिछड़ कर कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवा बैठी। पार्टी ने यह चुनाव खंडूड़ी है जरूरी स्लोगन के साथ लड़ा और इसका उसे फायदा भी मिला, लेकिन स्वयं श्री खंडूड़ी अपनी सीट जीत पाने में नाकामयाब रहे। चुनाव के तुरंत बाद पार्टी में भितरघात को लेकर खासा बवाल मचा और कुछ बड़े नेताओं पर भी अन्य के चुनाव क्षेत्र में भितरघात का आरोप लगा। शैलेंद्र सिंह रावत पिछली विधानसभा में कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे।

उन पर भी चुनाव के दौरान भितरघात

के आरोप लगे। इस तरह के आरोपों की जांच के लिए अनुशासन समिति ने कदम उठाए और कुल 114 पार्टी नेताओं को नोटिस जारी किए गए। बुधवार को पार्टी ने आखिरकार शैलेंद्र सिंह रावत समेत आठ पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को छह साल के लिए भाजपा से निकाल दिया। प्रदेश महामंत्री धन सिंह रावत द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी के विरोध में प्रचार-प्रसार एवं अनुशासनहीनता करने वाले पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अनुशासन समिति की संस्तुति पर छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है। इनमें कोटद्वार के पूर्व पार्टी विधायक शैलेंद्र सिंह रावत के अलावा कोटद्वार के ही भाबर मंडल अध्यक्ष हर्षबर्द्धन बिजोला, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष गीता बुड़ाकोटी, नैनीताल (भीमताल) से प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा भावना मेहरा, जिला संयोजक सहकारिता संजय कर्नाटक, अल्मोड़ा जिले की सल्ट विधानसभा से सह संयोजक कांटेक्टर प्रकोष्ठ प्रमोद नैनवाल, जिला कोटद्वार से श्रीकृष्ण सिंघानिया, नगर मंडल अध्यक्ष सुभाष कोठारी व राजगौरव नौटियाल को पद मुक्त किया है।

## 2 लाख हेक्टेयर जमीन पर पौधा लगाने का निर्णय

भुवनेश्वर। राज्य सरकार ने वन सप्ताह के दौरान सामाजिक वनीकरण के लिए कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसके अन्तर्गत मौजूदा साल 2 लाख हेक्टेयर जमीन में पेड़ लगाने की योजना है। इसके अलावा 510 हेक्टेयर वृक्ष विहीन पहाड़ी पर भी पेड़ लगाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने यूनिट-9 सरकारी हाईस्कूल में राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दौरान इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पौधारोपण से परिवेश संतुलन कायम रखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधाधुंध जंगल की कटाई के कारण परिवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के साथ कई प्राकृतिक आपदाएं चिंता का कारण बनी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सामाजिक वनीकरण के कार्यक्रम पर गंभीरता से काम कर रही है। इस अवसर पर वन मंत्री देवी प्रसाद मिश्र ने कहा कि पिछले कुछ सालों से सामाजिक वनीकरण

## नालको में ई-प्रोक्योरमेंट व्यवस्था शुरू

भुवनेश्वर। भारत सरकार के नवरत्न उद्योग नालको द्वारा इंटरनेट के माध्यम से जरूरी सामग्रियों की खरीद के लिए

जयभर्गीज, अंशुमान दास, एस.एस.महापात्र एवं एन आर महान्ति भी उपस्थित थे। अंशुमान दास, निदेशक



ई-प्रोक्योरमेंट व्यवस्था शुरू की है। नालको के सीएमडी बीएल बागरा ने ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट का विमोचन किया है। इस अवसर पर निदेशक

वाणिज्य ने बताया कि ई-प्रोक्योरमेंट व्यवस्था से सामग्रियों के क्रय के लिए कम समय लगेगा। वर्तमान वेंडर वेश के साथ सत्ताधिकार रखने वाले मान्यता

संपन्न सामग्रियों को इस व्यवस्था द्वारा क्रय करने के लिए चयन किया गया है। इसके बाद अन्य सभी सामग्रियों को भी इस सूची में शामिल किया जाएगा।

### वृक्ष के रूप में होगा पुनर्जन्म

देहरादून। मौत के बाद व्यक्ति की प्रतिकृति किसी न किसी रूप में नजर आती रहे तो परिजनों में उसकी करीबी का अहसास सदा बना रहता है। इसी भावनात्मक संबंध को पेड़ों से जोड़ने के लिए वन विभाग और हेस्को संस्था एक अनूठी पहल करने जा रहे हैं। इसके तहत प्रियजन का देहावसान होने पर परिजन उसकी राख में पौधा रोपेंगे। यह पौधा प्रियजन की स्मृति को जिलाए रखेगा। एक तरह से यह वृक्ष के रूप में प्रियजन का पुनर्जन्म होगा। हेस्को के संस्थापक पद्मश्री डॉ.अनिल जोशी और प्रमुख मुख्य वन संरक्षक डॉ.आरबीएस रावत ने पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वन विभाग मुख्यालय स्थित मंथन सभागार में पत्रकारों के समक्ष यह घोषणा की। डॉ.जोशी ने कहा कि वृक्ष से मनुष्य का नाता पृथ्वी के जन्म से ही तय हो गया था। लेकिन, दुर्भाग्य से हमने वृक्षों के संरक्षण के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा पुनर्जन्म की यह पहल संबंधित परिवार को उसके प्रियजन के करीब होने का अहसास पेड़ के रूप में कराती रहेगी। साथ ही मनुष्य और पेड़ों के बीच भावनात्मक रिश्ता भी कायम होगा।

## बिजली और पानी संकट से भड़के लोग

संवाददाता

देहरादून। बिजली संकट से परेशान क्लेमेन्टाउन और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों का गुस्सा बिजली दफ्तर पर उतरा। लोगों ने एसडीओ का घेराव किया। एसडीओ ने जल्दी ही बिजली संकट से निजात दिलाने का आश्वासन देकर जान छोड़ा। क्लेमेन्टाउन, भारुवाला, आशारोड़ी, मोहब्बेवाला, सुभाष नगर, टर्नर रोड और मोरावाला के लोगों ने सोमवार को भाजपा महामंत्री महेश पांडे की अगुवाई में टर्नर रोड सब स्टेशन पर धावा बोल दिया। उन्होंने एमडी एके जौहरी के खिलाफ भी नारेबाजी की। लोगों का आरोप था कि मुख्यमंत्री ने राजधानी को बिजली कटौती से मुक्त करने की घोषणा की है, बावजूद इसके कटौती का सिलसिला जारी है। देहरादून में ही जब यह हाल है तो अन्य क्षेत्रों का अंदाजा लगाया जा सकता है। पांडे ने



तक बिजली आपूर्ति बाधित नहीं हुई। यदि जल्दी ही बिजली कटौती समाप्त न की तो लोग आंदोलन को बाध्य होंगे। एसडीओ ने आश्वासन दिया कि एक हफ्ते के भीतर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में सतीश कश्यप, सुनील रजोरिया,

अजित कुमार, अमर सिंह, सुमन देवी आदि शामिल थे। एक हफ्ते से पानी के संकट से जूझ रहे अपर जोन के दर्जन भर इलाके के लोगों ने सोमवार को दिलाराम बाजार स्थित जलसंस्थान के दफ्तर पर प्रदर्शन किया। साथ ही अधिशासी अभियंता सुबोध कुमार का घेराव भी किया। अपर जोन के अंतर्गत जाखन, दून विहार, मंदाकिनी विहार, सहस्रधारा रोड, कंडोली समेत दर्जन भर इलाकों के लोग सुबह 11 बजे करीब जलसंस्थान दफ्तर पर जुटे और अधिकारियों के खिलाफ जोरशोर से नारेबाजी भी की। लोगों का कहना था कि एक हफ्ते से इन इलाकों में एक बूंद भी पानी नहीं आ रहा जबकि अधिकारी बेखबर बने हुए हैं। दिन भर में एक-दो टैंकर भेजकर औपचारिकता निभाई जा रही है। प्रदर्शन करने वालों में भूपेंद्र कठैत, पूनम नौटियाल, विजनेश गुप्ता, मोहित जायसवाल, समीर कुमार, अमित कोहली, देव सिंह राणा आदि शामिल थे।



# Mamata pulls up ministers at Cabinet meeting

KOLKATA: It was not an easy sailing for ministers Sabitri Mitra, Ujjwal Biswas and Shyama Pada Mukherjee at the cabinet meeting on Tuesday, with chief minister Mamata Banerjee giving a piece of her mind to their embarrassment. "Thik moto kaaj na korle amay bhabte hobey (work properly, else I will have to take some decision)," the CM told in the meeting asking the laggards to pull up their socks.

On Tuesday, food processing and horticulture minister Ujjwal Biswas, social welfare ministers



Sabitri Mitra (who handles women development) and Shyama Pada Mukherjee (who looks after child welfare) faced the heat. Banerjee told Biswas that he would have to perform better and the results should show quickly.

Mamata was also upset as she did not receive the published budget books of some departments — food processing and power among others. These would be required when the Assembly session commences in mid-June.

Biswas, the food processing minister, said he had told the CM that the book was sent to the press

a month back. "But the machines there were not working, and hence the delay." Power minister Manish Gupta refused to comment on anything that was 'discussed at the cabinet meeting'.

The CM was reportedly angry with Sabitri Mitra over a short-stay home for destitute women that is being run from the house of an RSP leader in Malda — the district from where Mitra has been elected. Mamata told her that she needs to have more control over the social welfare homes and also more

hold over her departmental works. Mitra told Mamata that she was well aware of the Malda home, but did not want to bother the CM with every single issue.

The CM also pointed out the lack of co-ordination between the two wings of social welfare department. The women and child welfare, which were under a single head, were split into two a few months ago, with Shyama Pada Mukherjee given the charge of child development. Mitra was handling the entire department from the beginning. Since it was a single department, the projects, too, were designed like that. "That's why there is a major

overlap or lack of co-ordination in several projects," said sources. The CM will meet both Mitra and Mukherjee at the Writers' Buildings on Wednesday to discuss the issue.

Rice and funds for Singur landlosers: The state cabinet, on Tuesday, approved the proposal of giving a monthly stipend of Rs 1,000 to the families of landlosers in Singur, who have not accepted compensation cheques, and rice at Rs 2 per kg. The families lost the land for a small car factory. The CM had announced the sop recently.



Air Chief Marshal NAK Browne, Chief of the Air Staff, presenting the IAF souvenir to General Jean-Paul Paloméros, Chief of Staff of the French Air Force during his ongoing four days goodwill visit to France.

## GIGANTIC FLYING MACHINE LANDS AT AIR FORCE STATION C 130-SUPER HERCULES

New Delhi : In yet another accomplishment, the C-130J super Hercules aircraft touched down at Air Force Station, Car

Hercules Squadron accomplished the task of landing at Car Nicobar Air base. The crew was received by the Chief Operations Officer



Nicobar on 28 May 2012 on its maiden flight to the island airbase. After almost 6 hours flight from AF Stn Hindan, Group Captain Tejbir Singh, Commanding Officer of the

Wing Commander Sanjay M Nijai. The staff from HQ Andaman & Nicobar Command, Air Commodore TK Sinha were also present on the occasion. For some, it was just yet another landing,

infact it marked a big leap for the Indian Air Force in projecting its strategic reach even at this remote and far-flung island base of the Indian Air Force. C-130J is one of the latest warbird with state of art avionics and defensive suites. This aircraft has the ability to execute special operations which shall involve not only the Air Force elements but also Army and Naval forces to achieve the assigned task by displaying a great synergy between them. This also show cases our ability and operational infrastructure to induct variety of forces & technology. This endorses the vision of our planners to induct this magnificent machine into tech – savvy Indian Air Force. It is indeed a proud and historic moment which will go down the annals of Indian Air Force's only island base rightfully known as 'Commendable Carnic'.

## Rural areas score better than urban counterparts

LUCKNOW: Students from rural districts of the state made their presence felt on the educational landscape, as they came out with flying colours in the UP board class XII examinations, the results of which were declared on Tuesday. Securing 96.2% marks, Abhilasha Yagyaseni and Apoorva Verma of Barabanki jointly shared the first position in the state. With 95.2%, the second place was secured by Pooja Gautam, again from Barabanki. Unnao boy, Ashutosh Singh who studied in Lucknow retained the boy's topper securing 94.2%.

Keeping up with the last year trend, rural districts emerged out to be the toppers in terms of pass percentage. In fact, the top 10 districts with highest percentage are not urban districts. The highest overall pass percentage of 96.12% was recorded by Bhadohi, followed by Jaunpur and Sitapur, which recorded with an overall pass percentage of 95.68% and 95.52% respectively. Lalitpur secured 95.45%. The

difference between Maharajganj and Balrampur was very narrow, as the former scored 95.13%, while the latter clicked 95.01%. Similarly, Ambedkar Nagar with 94.89%, Bagpath with 94.81%, Hamirpur with 94.57% and Rae Bareli with 94.35% completed the top 10 chart. Of the 75 districts, Mathura remained at the bottom with merely 67.05% of students passing the board exams. Surprisingly, in urban areas, Lucknow recorded a massive dip from number 14 in 2011 to 45 this year. Here, the pass percentage stood at 90.30%. Allahabad that was at 10{+t}{+h} position last year slipped to 19 this year with an overall pass percentage of 93.69%. The pass percentage in Varanasi and Kanpur is 92.88% and 86.90% respectively. Secondary education director Basudev Yadav said, "Parents living in remote areas are more sincere and clear in their thoughts than those living in urban areas. They know that education alone could provide any sort of salvation from poverty.

## FDI in retail: Unanimity not possible: Anand

NEW DELHI: Hinting at FDI in retail, commerce minister Anand Sharma said, "In a diverse country, you will have to go by consensus. You don't seek unanimity because unanimity will always elude you. The rights of some of the states to embrace a particular policy should be accepted. It is the prerogative of some others not to accept it and that must be accepted." The minister said in the clearest-ever indication yet that the government may not prefer to be detained by lack of unanimity on an issue that has the political class vertically split.

When asked specifically about continuing resistance from Bengal CM Mamata Banerjee, whose leverage with Congress has enhanced because of the upcoming presidential polls in July, Sharma said that there were

other CMs who have written to the Centre in support of the proposal. "It does not have to go



back to the Cabinet. Once we are convinced that there is a consensus, we will operationalize it," said Sharma, who is piloting the FDI proposals.

The statements from the government come a day after prominent Congress members such as Amarinder Singh told Prime Minister Manmohan Singh and Congress chief Sonia Gandhi that the Centre needed to take a few nuclear deal-type bold decisions to show its purposefulness.

The anxiety to be seen as governing also shows through the decision to put up the amended pension bill to the Cabinet on Thursday. With Monsoon session at least five-six weeks away, there was no need for the government to secure the nod now. However, the go-ahead from the Cabinet for the legislation pending for long, can help the Centre signal to the investor community that it is serious on reforms.



## GAIL signs Gas Sales & Purchase Agreement

New Delhi: GAIL (India) Limited has yesterday signed a Gas Sales & Purchase Agreement (GSPA) for purchase of gas from Turkmenistan to be transported



through the Turkmenistan-Afghanistan-Pakistan-India (TAPI) Pipeline. The GSPA was signed by Mr. B. C. Tripathi, CMD, GAIL and Mr. Sakhatmurad Mamedov, Chairman, National Gas Company, TurkmenGas in the presence of Shri S. Jaipal Reddy, Hon'ble Minister of Petroleum &

Natural Gas, India.

The gas source for the pipeline would be Galkynysh (formerly Osman-Yolotan) in Turkmenistan which is estimated to have gas reserves of 13-21 TCM (Best estimates of 16 TCM). The 1680 km, 56 inch diameter pipeline will originate at South Yolotan-Osman in Turkmenistan and will traverse 145 km in Turkmenistan, 735 km in Afghanistan and 800 km in Pakistan before entering India at Fazilka in Punjab.

Turkmenistan would be exporting 90 MMSCMD through this pipeline of which 14 MSCMD would be taken by Afghanistan and 38 MMSCMD each by India and Pakistan. The pipeline will be built at an estimated investment of US\$ 7.6 billion approx.

## GAIL Bond Issue of Rs 750 Crore oversubscribed by 5 times

New Delhi: GAIL (India) Limited today launched a Bond Issue of Rs. 500 crores with a green shoe option of Rs.250 crores.

The issue received an over-whelming response from the market, being oversubscribed by around 5 times. The total quantum of Rs.750 crores has been mobilized at a cut off rate of 9.14% per annum, which is the lowest rate achieved in recent times.

The bonds have been issued to partly meet its Capex plan for expansion of various projects and will be repaid within a time frame of 5 to 8 years, with a call option at the end of the 5th year.

## BHEL commissions 250 MW Unit-5 at Parichha Thermal Power Project

New Delhi: Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) has successfully commissioned a 250 MW unit at Parichha Thermal Power Station (TPS), in Uttar Pradesh. With this, 6 million units of electricity will be added to the grid of the power deficit state, every day.

The project had suffered a setback due to an unfortunate incident of the chimney collapsing, which was not in the scope of BHEL, exactly two years ago. However, to save time, the balance commissioning activities were completed by BHEL with a temporary chimney and the unit was synchronized to grid in February, 2012 itself. Coal firing could be done only after the availability of the permanent chimney in the first week of May, 2012. Finally, full load has been achieved despite constraints of Ash Handling System which was

not fully operational.

Reposing confidence in BHEL's capability and technological excellence, Uttar Pradesh Rajya Vidyut Utpadan Nigam Limited (UPRVUNL) had placed orders for setting up 2 units of 250 MW each (Units 5&6) at Parichha TPS Extn.

BHEL's scope of work in the contract envisaged manufacture, supply, erection, testing and commissioning of the main plant package along with associated auxiliaries and civil works for the main plant package for this power project.

The equipment for the project has been supplied by BHEL's Haridwar, Trichy, Ranipet, Hyderabad, Bangalore, Bhopal and Jhansi plants, while BHEL's Power Sector - Northern Region is undertaking erection and commissioning of the equipment.



## NTPC CMD Felicitated at Dun & Bradstreet PSU Awards

New Delhi : Dr. M. Veerappa Moily, Union Minister of Corporate Affairs felicitated Arup Roy Choudhury CMD NTPC and Chairman SCOPE on the occasion Dun & Bradstreet of India's Top PSUs 2012 at a function held in New Delhi for his contribution to the sector.

As Chairman, Standing Conference of Public Enterprises (SCOPE), the apex body of central public sector enterprises (CPSEs), Shri Roy Choudhury has been effectively leading policy advocacy for greater empowerment of these enterprises. He is also promoting the cause of greater professionalism, competitiveness, societal commitment, transparency and global-benchmarking among the CPSEs. Arup Roy Choudhury has the



distinction of becoming the youngest Chief Executive Officer of a Central Public Sector Enterprise (CPSE) at the age of 44 years when he joined as Chairman & Managing Director,

National Buildings Construction Corporation Limited (NBCC) on April 03, 2001.

Dun & Bradstreet is the world's leading source of global business information, knowledge and insight with commercial database of more than 200 million business records.

## POWERGRID Q4 profit rises 37% at Rs. 1032 Cr

Mumbai : Power Grid Corporation of India Limited (POWERGRID), a 'Navratna' Company and the 'Central Transmission Utility (CTU)' of the country, has posted a net profit of Rs. 1032 Crore for the fourth quarter of FY 2011-12 (January-March, 2012), an increase of 37% against Rs. 751 Crore reported during the corresponding quarter ended March 31, 2011.

Total Income (turnover) for fourth quarter (January-March, 2012), rose to ` 3409Crore, up 32 % from `2580 crore in the corresponding year-ago period.

POWERGRID had registered a net profit of ` 3255 Crore over a turnover of `10785 Crore in the FY 2011-12, registering a growth of about 19 % in Turnover and 21 % in Net Profit compared to FY 2010-11. The Company had

declared interim dividend of 8 % and has now proposed a final dividend of 13.1 % for the financial year 2011-12 against 17.5 % total dividend paid in the last financial year. At present, POWERGRID is operating about 93,000 ckt. kms. of transmission lines along with 151 Sub-stations with transformation capacity of more than 1,24,500 MVA. With the use of state-of-the-art preventive maintenance techniques, average availability of transmission system during the year 2011-12 was maintained at 99.94%. The Company commissioned assets about `14,100 crore upto March 2012. Inter-regional power transmission capacity of 5600 MW was added during FY 12 enhancing the total Inter-regional transmission capacity of National Grid to about 28,000 MW.

## ONGC Best Corporate at D&B Corporate Awards

New Delhi : Close on the heels of the Dun and Bradstreet Awards 2011 as the Best Maharatna PSU and the leading PSU in the Oil and Gas sector, it was time for recognition for ONGC once again. This time it was the Dun and Bradstreet Corporate Awards-2011 for the 'Best Corporate in Oil and Gas sector'.

ONGC won this award as part of a concept study called 'India's Top 500 Companies and Corporate Awards 2011' conducted by Dun and Bradstreet Awards.

The award was presented by Kapil Sibal, Minister for IT and received on behalf of ONGC by CMD Sudhir Vasudeva at Mumbai.

## SAIL sales breach Rs.50,000-cr mark

NEW DELHI : Steel Authority of India Limited (SAIL), announced a growth of 3 per cent in its standalone net profit to Rs.1,576.98 crore during the fourth quarter ended March 31, 2012, riding on the back of a record Rs.50,000 crore turnover.

The company beat the predictions by market analysts and posted net profit instead of an expected fall of 16-20 per cent in profits. It reported a net profit of Rs.1,530.61 crore in the corresponding quarter of 2010-

11. Net sales of the company was up 12.17 per cent at Rs.15,079 crore against Rs.13,339 crore,



according to SAIL Chairman C. S. Verma.

For the first time in the history of the company, Verma said SAIL had achieved gross sales turnover of over Rs.50,000 crore during the last fiscal due to good performance during the January-March quarter. The company reported a standalone gross sales turnover of Rs.50,348 crore in 2011-12 up 7 per cent over the previous year's Rs.47,041 crore.

## PFC received Dun & Bradstreet PSU Award 2012

New Delhi : Power Finance Corporation Ltd. has been

M. Veerappa Moily, Union Minister of Corporate Affairs.



Present on the occasion were Dr. Bhaskar Chatterjee, Ex-Secy, DPE, Arup Roy Choudhury, Chairman, SCOPE and Kausal Sampat, President & CEO-India, Dun & Bradstreet.

conferred with Dun & Bradstreet PSU Award 2012 in the Non Banking Financial Company category.

This award was received by Satnam Singh, Chairman & Managing Director, PFC in a function organised by Dun & Bradstreet at New Delhi. This award was given by Dr.

PFC was selected for this award based on D&B's quantitative model based on various parameters recognizing the size and growth of the CPSEs which includes financial aspects like business size, growth and profitability, corporate governance norms etc.



# The Women Empowered (WE) launched by Baroness Verma

London (U.K.): On Thursday, 24th May 2012 a very special women's group was launched by Baroness Verma, Minister for Women & Equality. The Women

WE's other champions include Pritti Patel MP, Kiran Sharma; Manager to PRINCE and managing director of KIKIT Ltd, Cllr Lurline Champagnie OBE and Ruby Mc

than half of its population as unequal. She pledged her support to inspire those women who do not have easy access to professional networks.

Ms Geeta Sidhu-Robb, an entrepreneur, described how both her marriages left her in despair and how she decided to take charge of her life when one day she found herself on the road penniless. As a result of her courage she went on to become a success and found fulfilment in life.

Chairwomen and Co-founder, Reena Ranger, spoke about how women are multi talented, hardworking and committed and how as British Asians she was privileged to have so many examples to learn from. From the Queen who has been serving her people for 60 years with dignity and grace whilst being a wife, a mother, grandmother and great grandmother. It just goes to prove

to the most prosperous economy in just 10 years, as Prime Minister of our country, and changed the fortunes of millions of people. We have the late Indira Gandhi, the late

headmistress and kept her children close and raised them well and made them all assets to society. Reena said, "My family today is a family because of her".



Empowered (WE), is a social initiative which aims to empower women to make the best of their individual skills and talents and help them achieve the personal and professional goals they have.

Under the high glass ceiling of the sunny Atrium at the Bright Courtyard Club in Baker Street, 120 attendees came together to share inspirational stories of their lives and successes. The high profile Launch was attended by many high profile guests, many of who are WE's Champions, including Mayor of Amersham Cllr Mimi Harker OBE, Seema Malhotra MP, MOBO Awards Founder Kanya King MBE, Dr Kamel Hothi; Business & Community Director at Lloyds Bank Group, brand ambassador of Patak's food; Anjali Pathak, Mrs Nina Amin; Diversity Ambassador KPMG, Author; Alpesh B Patel, TV Presenter; Tasmin Lucia-Khan and London Mayor Boris Johnson's former Director of Environment and Digital London; Kulveer Ranger.

Gregor-Smith CBE; Chief Executive MITIE Group PLC. Other notable guests included Baroness Shreela Flather, music producer Rishi Rich and Ch4 "The Family's" stars and radio presenters; Sunny & Shay Grewal.

The Key note speaker was Baroness Sandip Verma, Minister for Women and Equalities and Whip for the Cabinet Office. The other speakers were Ms Tasmin Lucia Khan, (TV Presenter and News Anchor) and Entrepreneur Geeta Sidhu-Robb (CEO and Founder of Nosh Detox).

Baroness Verma said the launch of WE shows that work still needs to be done to get a fair deal for women in society. No society can move forward whilst treating more



women can do extraordinary things when given the opportunity.

Reena continued "We many not all agree with their politics but you can not doubt the strength and capability of women such as, Baroness Thatcher who turned Briton from a sick man of Europe



Benazir Bhutto, the incumbent president of India, her Excellency Pratibha Patil, Sheikh Hasina, the prime minister of Bangladesh, Sirimavo Bandaranaike, 3 time prime minster of Sri Lanka, and of course Aung San Suu Kyi and so many others"

Reena Ranger paid tribute to her late grandmother, who was sadly widowed at the young age of 35 with 8 children ranging from age 16 to new born. The world around her was encouraging her to put her children in to a care home as she found herself to be young, alone and struggling with the difficulties of India's partition. Reena told of how her grandmother, empowered through education went to work, became a

Co-Founder Mona Remtulla said the aims of WE are to provide women with a forum, a platform and a network where they can find support, mentoring and inspiration to try and get out of life everything they want and to support them through the journey by putting them in touch with organisations that can nurture their ideas and mentors who can assist in achieving those goals.

WE aims to be broad and provide an array of speakers on the same topic at each event so that women can find applicability and can find an affinity with one or more of them to make the difference to their lives.

A vote of thanks was given by Mr Rajesh Agrawal CEO of RationalFX. He said he was happy to sponsor the launch as he felt WE is a worthy cause and should be supported.

Thanks was also given to Bea's of Bloomsbury for their cupcakes and to CRR Photography.

## Diplomatic Courier Analyzes NATO and G8 Summits with Special Commentary

WASHINGTON, DC: A strong presence at major international summits, the Diplomatic Courier attended the NATO summit in Chicago from 20 until 21 May 2012 and was at the helm of the editorial agenda for the G8 Business Summit magazine (published by the CAT company) that was distributed this past weekend.

On the ground, Managing Editor Chrisella Sagors provides eye-witness commentary on the challenges facing NATO nations seeking to revitalize the organization to meet today's geopolitical reality, and be the global go-to peacekeeper and stabilizing force for the next 60 years.

"The 2012 Chicago Summit has been remarkable for the focus on hammering out the form of a 'new NATO.' From the declaration of the Ballistic Missile Defense (BMD) system's Interim

Capability to the expansion of the Alliance Ground Surveillance program, NATO is creating a more nimble, cost-efficient, and responsive military force in the face of unpredictable threats and terror," says Sagors.

Also following the G8, Editor-in-Chief Ana C. Rold synthesizes how business is affected by the political landscape and other factors.

"This landscape is shaped not just by governments, but also consumers, civil society, the media, and political events. And understanding this landscape and how to navigate it is the difference between success and failure. In 2012, we are proud to bring our readers a business policy publication that marries the concepts of public and private policy and how the two sectors can learn from each other," highlights Rold.

From security to vaccines to

food, this Diplomatic Courier edition and the special edition on G8 Business debates the issues tackled before the G8 and NATO, transcending political lines to meet both international political and business agendas. A selection of articles includes:

- "The Case for Transatlantic Geo-Economics at the G8" by Tyson Barker, Director of Transatlantic Relations at the Bertelsman Foundation
- "Turncoat Attacks in Afghanistan" by Celeste Owen-Jones, DC Contributor
- "Pakistan Remains a Question Mark in Lead Up to NATO Summit" by Boris Maguire, DC Contributor

"No Blueprint in Sight for NATO's Out-of-Area Operations" by Andre a Barbara Baumann and Gergely Varga, Visiting Fellows at the Center for Transatlantic Relations at SAIS, John Hopkins University.

**PURE HEAVEN**  
OUT OF THIS WORLD

**A Taste of Paradise**

**Fruit Juices & Juice Drinks**  
www.sunmark.co.uk



# NHRC takes up 50 pending cases in its Camp Sitting in Guwahati

New Delhi: The NHRC today heard 50 pending cases of human rights violations in the State of Assam at its Camp Sitting in Guwahati today. Out of 17 cases, which the Full Commission bench heard at least 06 cases were closed after the Commission got satisfactory answers from the State Government Authorities. In the other cases, the Commission has given time to the State Authorities to respond to its recommendations. The Commission recommended about rupees 18 lakhs as monetary relief in different cases of human rights violations.

In a case relating to rehabilitation of children rendered orphan or destitute in communal riots in upper Assam district, the Commission has asked the State Government to identify the child victims without any further delay and give financial assistance to them and sent compliance report along with proof of payment within eight weeks. The Commission observed that the negligence of officer led to orphaned children not getting timely assistance

## NHRC asks Delhi Government to pay Rs. 1,80,000/- as monetary relief to victims

New Delhi: The National Human Rights Commission has asked the Delhi Government to pay Rs. 1,80,000/- as monetary relief to six persons who were injured in a road accident involving a Police Control Room van. The Commission has directed that Rs. 50,000/- each be paid to three persons who were grievously injured and Rs. 10,000/- each to other injured in the accident. The Commission has also called for compliance report along with the proof of payment made to the victims.

The Commission has given this recommendation on complaints alleging that on the 3rd October, 2011 a PCR van

despite the fact so many years have past since the riots.

In the cases relating to force prostitution of three women in Kachar district, the Commission has asked the State Govt. to pay rupees one lakh each to the three victims. The State Government has also been asked to inquire whether there is any organized activity going on in the State of Assam to bring girls from Meghalaya to Kachar and Silchar and forced them into prostitution. The authorities have been asked to take action against the guilty.

In another matter relating to starvation death in Kachar district, the Commission has asked the State Govt. to pay rupees two lakh each to the two tea garden workers and rupees one lakh each to about 13 dependents of the workers who died due to starvation. The Commission has also directed the State Govt. to inquire whether the tea association of India was distributing the foodgrains properly among the workers or not.

On the allegations of eviction of 6000 encroachers, the

driven at a high speed by Head Constable, Murari Lal had climbed up at a footpath near Barapullah flyover causing injuries to six persons who were sleeping there. The reports sent by Delhi police in response to NHRC notices revealed that Head Constable was arrested for rash and negligent driving.

## Air India crisis continues

New Delhi: The crisis in Air India raged on for the 15th day Tuesday and the national carrier's losses mounted to Rs.250 crore as the impasse between agitating pilots and the management continued.

Commission was informed by the State Authorities that the hutments were dismantled but not set on fire as alleged. The Commission has asked the authorities to expedite their rehabilitation.

On the issue of witch hunting, the State Authorities admitted that this practice is prevalent in backward and distantly located places. During last five years, about 88 women and over 40 men have become victims of such incidents. The Commission has asked the State Authorities to create awareness among people and strive for fast investigation and speedy trial in incidents of witch hunting to at the deterrent.

The Commission also heard encounter and in custody death cases in its two division Benches and asked the police authorities to scrupulously adhere to its guidelines and submit all the reports to the Commission timely for early disposal of such cases.

## Indian Oil posts Rs.12,670 crore quarterly net profit

Mumbai: The Indian Oil Corporation posted a massive increase in net profit at Rs.12,670 crore for the quarter ended March 31 against Rs.3,905 crore during the like period of the previous financial year.

The total income stood at Rs.130,305.4 crore during the quarter under review against Rs.99,130 crore during the year ago period, the company said in a regulatory filing.

For the year ended March 31, 2012, the total income stood at Rs.437,706.6 crore as compared to Rs.331,526.9 crore during the previous fiscal. The firm has also recommended dividend of Rs.5 per share. At the Bombay Stock Exchange, the shares of the firm were trading 0.72 percent up Rs.267.25.

# NHRC asks its Myanmar counter part to take up the matter of refugees from their country to India

New Delhi: The National Human Rights Commission has asked its Myanmar counter part to look into the issue of refugees from their country to India and take up the matter with their government. The issue was raised by the NHRC during its meeting with the visiting delegation of the Myanmar National Human Rights Commission headed by its Chairman, Mr. Win Mra in New Delhi. Mr. Win Mra said that he would take up the matter with his government for consideration of action on the issue.

The Myanmar NHRC delegation was on a three day visit to NHRC, India w.e.f. 22nd - 24th May, 2012 to interact with its Indian counter part and understand its structure, jurisdiction, functioning and complaint management system. The NHRC Chairperson, Mr. Justice K.G. Balakrishnan, Members and senior officers interacted with the visiting

delegates.

There have been media reports on several refugees from Myanmar in India who allegedly due to fear of wide spread and systematic persecution at the hands of ruling junta had escaped to India.

It may be recalled that the instances of National Human Rights Institutions taking up the cause of human rights issues in each other's country are not new. During the visit of NHRC Chairperson, Mr. Justice K.G. Balakrishnan to Dhaka in the year 2010, his Bangladeshi counter part had drawn his attention to the issue of several Indian prisoners languishing in Bangladesh prisons even after completion of their sentence. Taking suo motu cognizance of the matter, Justice Balakrishnan had asked the Ministry of External Affairs to intervene in the matter following which 59 prisoners were released.

## PNB felicitates Delhi Fire Service



New Delhi : There has been an incident of fire in Bank's Parliament Street building on 23.05.2012. The team of Delhi Fire Service along with Delhi Police handled the situation in a very professional way resulting in no loss of life or material damage to the assets of the bank, including Data Centre. K.R. Kamath, Chairman & Managing Director of PNB along with Rakesh Sethi, ED and other senior officials of the bank called on the officers of Delhi Fire Service led by A.K. Sharma, Director, to felicitate their team and acknowledge bank's gratitude for their immense support.

## NHRC organizes workshop to sensitize

New Delhi: The National Human Rights Commission organized a day long orientation workshop on various aspects of police functioning for its officers in the Investigation Division. Addressing the officers, Dr. Rajiv Sharma, Secretary General said that respect for police forces is eroding in public. Morale of police forces is also declining. This can be set right only by restoring confidence of people in governance. He hoped that sensitization of police officers about various aspects of their functioning may be useful in improving the situation. Earlier, inaugurating the workshop, Mr. Sunil Krishna, Director General (Investigation) said that it was organized to update knowledge of NHRC's investigation officers,

who also come from different police organizations, about the subtle nuances of police functioning. This would help in their investigations into complaints of human rights violations by police. The thematic issues covered in the workshop included 'Fake Encounters and Human Rights', 'Investigation of Custodial Crimes', 'Torture in Police Custody vis-à-vis Human Rights and 'Gender Sensitization in Police Functioning'. Two former DIGs of CBI- Mr. O.P. Chhatwal and Mr. M.P. Singh shared their views with the participants on these topics. Mr. J.S. Kochher, Joint Secretry (Training), NHRC also addressed the participants who also included students of NHRC's summer internship programme.



Air Marshal DC Kumaria reviewing the Guard of Honour on taking over as the Vice Chief of the Air Staff at Air Headquarters Vayu Bhawan New Delhi on 01 June 2012.



# बच्चों ने मंचन से किया प्रभावित

जम्मू । जम्मू-कश्मीर कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी की ओर से बच्चों के लिए आयोजित बीस दिवसीय रंगमंच

में सभी प्रतिभागी बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया ।

नाटक के माध्यम से बताया गया कि



कार्यशाला में तैयार नाटक छह महीने की फांसी का शुक्रवार को मंचन किया गया । केएल सहगल हॉल में मंचित इस नाटक

किसी की प्रतिभा को रोका नहीं जाना चाहिए । जो आदमी जैसे खुश होता हो उसे उसी तरह बढ़ावा मिलना चाहिए । इसमें

## राष्ट्र विरोधी है वार्ताकारों की रिपोर्ट : भाजपा

जम्मू । कश्मीर मसले पर केंद्रीय वार्ताकारों की ओर से भारत सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट को राष्ट्र विरोधी करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) ने शुक्रवार को भी प्रदर्शन किया । पार्टी का कहना है कि जब तक केंद्र सरकार इस रिपोर्ट को खारिज नहीं करती, उनका विरोध जारी रहेगा और आगे इसमें तेजी लाई जाएगी ।

भाजपा के सतवारी मंडल के कार्यकर्ता रानी तालाब इलाके में एकत्रित हुए और रिपोर्ट की प्रतियां जलाकर रोष प्रकट किया । मंडल के प्रधान सतपाल चौधरी ने प्रदर्शन की अगुआई की जबकि पार्टी के जम्मू जिला प्रधान राजेश गुप्ता, उपप्रधान विनय गुप्ता व महासचिव जयदीप शर्मा प्रदर्शनकारियों का मनोबल

बढ़ाने पहुंचे थे । राजेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने इस खतरनाक रिपोर्ट के खिलाफ पंद्रह दिनों तक विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है । पार्टी मुंबई में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस रिपोर्ट को पहले ही खारिज कर चुकी है, क्योंकि इसमें जो भी सिफारिशें की गई हैं, वे कश्मीर के अलगाववादियों को खुश करने का प्रयास है । भाजपा अपने आंदोलन में तेजी लाएगी और केंद्र की यूपीए सरकार पर इस रिपोर्ट को खारिज करने के लिए दबाव बनाया जाएगा ।

इस मौके पर राजरानी जम्वाल, सितंबर शर्मा, ओंकार सिंह, सोमदास, शक्ति देवी, सुहानी जम्वाल, पवित्र सिंह, पवन सिंह, प्रभु दयाल, लुद्रमनी व सुभाष चंद्र भी मौजूद थे ।

## बाबा के दीदार को भक्त बेकरार

### संवाददाता

जम्मू । बाबा बर्फानी के श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है । पहली बार यात्रा में शामिल होने के लिए आए श्रद्धालु इस बात से भलीभांति परिचित हैं कि यह यात्रा काफी कठिन है । बावजूद इसके वे बेसब्री से जत्थे के रवाना होने का इंतजार कर रहे हैं । बम-बम भोले के जयघोष और शिव महिमा पर झूमते अंबाला से डेढ़ सौ श्रद्धालुओं का जत्था वीरवार सुबह भगवती नगर स्थित आधार शिविर पहुंचा । दल में शामिल युवाओं का कहना था कि इससे पहले उनके कई साथी ये यात्रा कर चुके हैं । उनसे सुना है कि यह यात्रा कठिन है

परंतु उन्होंने अपने अनुभवों से यह अहसास भी जताया कि बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन पाते ही इंसान सभी दुखों को भूल जाता है । इसी आस्था और मन में बाबा की भक्ति लिए वे श्री अमरनाथ यात्रा पर आए हैं ।

दल में शामिल विवेक और शशांक का कहना था कि यात्रा से जुड़ी सभी बातें और भगवान शिव की पवित्र गुफा का गुणगान अपने साथियों से सुनने के बाद उनका मन भी इस यात्रा में शामिल होने के लिए किया । उन्होंने कहा कि यात्रा के लिए वह और उनके साथी एक महीने से तैयारी कर रहे थे ।

## सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

ऊधमपुर । पुलिस ने वीरवार को एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन महिलाओं सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है । सभी के खिलाफ ऊधमपुर थाना में केस दर्ज कर पूछताछ की जा रही है । संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं । ऊधमपुर के एसपी बेनाम तोष की देखरेख और मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पुलिस की टीम ने सेक्स रैकेट चलाने वालों के ठिकानों पर छापे मारकर उन्हें गिरफ्तार किया । पुलिस के अनुसार गिरफ्तार 12

लोगों में से आठ रैकेट को चलाने में मुख्य भूमिका निभाते थे । ये लोग गरीब घर की लड़कियों खासकर छात्राओं को बहला-फुसलाकर अपने चंगुल में फंसाते थे ।

उसके बाद उन्हें ऊधमपुर, कटड़ा, पत्नीटॉप तथा अन्य पर्यटन स्थलों पर ग्राहकों को सप्लाई करते थे । गिरफ्तार लोगों की पहचान बेली राम पुत्र मंगू निवासी लाड़-रामनगर, शौकत अली उर्फ बिट्टू पुत्र गुलाम मुहम्मद निवासी बिरमा पुल, सुभाष चंद्र उर्फ बब्बी पुत्र रतन लाल निवासी बटलबालियां, जोगिंद्र

दर्शाया गया कि एक राजा जिसे सुनाई नहीं देता, उसे गाने का शौक होता है । वह बेसुरा गाता है, लेकिन उसके मंत्री उसे कहते हैं कि वह बहुत अच्छा गाता है । एक दिन उसकी बेटियां बताती हैं कि वह तो बेसुरा गाता है और वे उसका मजाक उड़ाती हैं । इस पर वह नाराज हो जाता है । वह आदेश जारी करता है कि उसके राज्य में कोई गाना नहीं गाएगा । जो गाएगा उसे सजा दी जाएगी । गाना न गाने के कारण राजा की बेटी बीमार हो जाती है और राज्य में बहुत से लोग तनाव में चले जाते हैं । बाद में राजा को अपनी गलती का एहसास होता है और वह आदेश वापस ले लेता है । नाटक डॉ. सुधीर महाजन, भूपेंद्र सिंह व अनिल टिक्कू के निर्देशन में तैयार किया गया था । इसमें राजा की भूमिका राहुल ने निभाई । दूसरे सभी कलाकारों ने भी अपनी भूमिका से प्रभावित किया । डिवीजनल कमिश्नर प्रदीप गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे । उन्होंने सभी नन्हे कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि मंचन देखकर लगता है कि बच्चों ने काफी मेहनत की है । उन्होंने सभी बच्चों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया ।

अकादमी की अतिरिक्त सचिव सविता बख्शी ने स्वागत भाषण में कार्यशाला का विवरण दिया । उन्होंने अकादमी द्वारा करवाए जाने वाले कार्यक्रमों की भी जानकारी दी । मंच संचालन एवं मेहमानों का धन्यवाद डॉ. सुधीर महाजन ने किया ।

# राज्य में कई कॉलेजों के प्रिंसिपलों के तबादले

जम्मू । राज्य सरकार ने शुक्रवार को कई डिग्री कॉलेजों के इंचार्ज प्रिंसिपलों के तबादले किए हैं । आदेश अनुसार महिला कॉलेज परेड की प्रिंसिपल किरण बख्शी को महिला कॉलेज गांधीनगर का प्रिंसिपल नियुक्त किया । सावित्री शर्मा सिटी डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल बनीं ।

इसके अलावा सिटी कॉलेज की प्रिंसिपल हेमला अग्रवाल को महिला कॉलेज परेड, डिग्री कॉलेज किशतवाड़ के प्रिंसिपल रोमेश चंद्र को एमएएम कॉलेज, एमएएम कॉलेज के प्रिंसिपल अजीत अंगराल को डिग्री कॉलेज रियासी, डिग्री कॉलेज अखनूर की प्रिंसिपल कौशल समोत्रा को बीएड कॉलेज, डिग्री कॉलेज रामनगर की प्रिंसिपल आशा गुप्ता को डिग्री कॉलेज अखनूर का प्रिंसिपल बनाया । महिला कॉलेज नवाकादल की प्रिंसिपल तनवीर आरा को महिला कॉलेज श्रीनगर, लेह डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल युद्धवीर सिंह

# मिट गई दूरियां, न रहे फासले

चमलियाल (जम्मू) । सरबजीत की रिहाई का मुद्दा, आतंकी अबू जुंदाल की गिरफ्तारी और सीमा पार से आए दिन होने वाली गोलीबारी से देशों के रिश्तों में आई कड़वाहट के बीच बाबा चमलियाल मेला नई मिठास घोल गया । सरहदें कम पड़ गई, खुशियां झूम कर आई और सरहद



पर हथियार उठाने वाले हाथ अमन व शांति के लिए उठ गए ।

यह नजारा था बुधवार को सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में भारत-पाक सीमा की जीरो लाइन पर लगे बाबा चमलियाल मेले का । भारत ही नहीं, पाकिस्तान में भी बाबा चमलियाल के श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना । सीमा के बीच मात्र 400 मीटर के फासले पर दोनों ओर के श्रद्धालु एक-दूसरे को टकटकी लगाए देख रहे थे । सुबह करीब 11 बजे पाकिस्तान की तरफ से सियालकोट सेक्टर के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल कैसर सुलेमान, लेफ्टिनेंट कर्नल फैजल, सियालकोट की असिस्टेंट

कमिश्नर समेहा सीलम, पाक रेंजर, कमांडरों व कुछ नागरिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा में जीरो लाइन पर पहुंचे । जहां सांबा के डिप्टी कमिश्नर मुबारक सिंह, एडीसी बीएस जम्वाल, एसीआर बंसी लाल शर्मा, बीडीओ नूर आलम, बीएसएफ जम्मू फ्रंटियर के डीआइजी

वीरेंद्र सिंह, डीआइजी जेएस ओबराय, 200वीं वाहिनी के कमांडेंट युवराज दूबे, कमांडेंट मुकेश सहित अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया । जीरो लाइन पर पाक अधिकारियों ने

बीएसएफ अफसरों को बाबा चमलियाल की दरगाह पर चढ़ाने के लिए चादर और मिठाइयां भेंट की । इसके बदले भारत की तरफ से दो ट्रैक्टर ट्राली शक्कर व शरबत सीमा पार सैदावली में बाबा जी के श्रद्धालुओं के लिए भेजा गया । पाक रेंजरों ने खुशी-खुशी दरगाह का प्रसाद शक्कर व शरबत कबूल किया । पाक रेंजरों व बीएसएफ अधिकारियों ने एक-दूसरे को तोहफे भी भेंट किए । करीब डेढ़ घंटे तक चली इस प्रक्रिया के बाद पाकिस्तान की ओर से आई चादर को बीएसएफ अधिकारियों ने दरगाह पर चढ़ाकर अमन व शांति की दुआ मांगी ।

# सौरा इंस्टीट्यूट के लिए 37 करोड़ मंजूर

### संवाददाता

जम्मू । केंद्र का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सौरा) को स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए 37 करोड़ रुपये देगा । इसकी घोषणा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आजाद ने संस्थान के दौरे के दौरान की । उन्होंने श्री महाराजा हरि सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल के लिए ऑनकोलोजी विभाग के लिए भी छह करोड़ रुपये देने की घोषणा की ताकि कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए आधुनिक उपकरण खरीदे जा सकें ।

उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे के मरीजों को निशुल्क जांच और दवाइयां देने की भी घोषणा की । इस मौके पर उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में केंद्र एक और कैंसर सेंटर खोलने पर विचार कर रही है । मंत्री ने रिकम्स के वार्डों का दौरा कर वहां पर उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया । उन्होंने मरीजों

सरकार ने एक अन्य आदेश में छह एसोसिएट प्रोफेसरों को इंचार्ज प्रिंसिपल बनाया है । इनमें आरके रैना को इंचार्ज प्रिंसिपल डिग्री कॉलेज भद्रवाह, एनके गुप्ता को इंचार्ज प्रिंसिपल डिग्री कॉलेज बनी, जावेद अहमद काजी को इंचार्ज प्रिंसिपल डिग्री कॉलेज बुद्धल, आरिफ अहमद आखून को इंचार्ज प्रिंसिपल डीएच पोरा, गोपाल शर्मा को इंचार्ज प्रिंसिपल डिग्री कॉलेज किलहोत्रां व फारुक अंब्राबी को इंचार्ज प्रिंसिपल गुरेज बनाया ।

को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली । लोगों ने आजाद से इमरजेंसी में अतिरिक्त वार्ड और आधुनिक उपकरण लगाने को भी कहा ।

अस्पताल में ही एक उच्च स्तरीय बैठक में आजाद ने कहा कि सौरा इंस्टीट्यूट में विद्यार्थियों की संख्या को पचास से बढ़ाकर एक सौ कर दिया जाएगा । उन्होंने इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर से कैंसर वार्ड और ट्रामा सेंटर का प्रस्ताव बनाकर भेजने को भी कहा । केंद्रीय मंत्री बाद में श्रीनगर में निर्माणाधीन सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण करने को गए । उन्होंने निर्माण करवा रही एजेंसी को इस वर्ष के अंत तक निर्माण कार्य करवाने को कहा ताकि मरीजों को सुविधा मिल सके ।

चीफ ब्यूरो जम्मू-कश्मीर

एम.ए. भट्ट

फोन: 9906546135



## पहले ही बजट में वादों का एकमुश्त निपटान

संवाददाता

लखनऊ। लोकलुभावन वादों की कश्ती पर सवार होकर सत्ता में पहुंचे अखिलेश यादव की निगाह शायद 2014 के लोकसभा चुनाव पर है। इसी के चलते उन्होंने पहले ही बजट में वादों को एकमुश्त निपटा दिया।

खाली खजाने के बावजूद बजट में कक्षा दस और बारह पास करने वाले छात्रों को टैबलेट व लैपटॉप, किसानों की कर्ज माफी, गरीब महिला को साड़ी, वृद्धों को कंबल, रिक्शा चालकों को सोलर रिक्शा आदि देने की घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए धनराशि का प्रावधान किया गया है।

बजट में मुलायम सिंह सरकार की तमाम योजनाओं को पुनर्जीवित करने के साथ उन्हें और भी व्यापक बनाने का भी काम किया है।

मसलन, बेरोजगारी भत्ता को फिर से शुरू करने के साथ इसकी राशि में इजाफा करना, कन्या विद्या धन योजना के लिए पहले से ज्यादा धन का प्रावधान करना, यश भारती योजना में सम्मान की राशि पांच लाख से बढ़ा कर 11 लाख प्रति व्यक्ति, लोकतंत्र सेनानी सम्मान योजना के तहत अपनी पिछली सरकार से अधिक का बजट प्रावधान, किसान दुर्घटना बीमा योजना की राशि एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख करना, भूमि सेना योजना को फिर से लागू करना आदि इसके उदाहरण रहे।

बजट में सपा के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक को सहेजने की पुरजोर कोशिश के चलते उनके हितों वाली की योजनाओं के लिए बजट में पिछले वर्ष की तुलना

### उत्तर प्रदेश में अब संस्कृत शिक्षक भर्ती घोटाला

संवाददाता

लखनऊ। बसपा सरकार में हुए घपलों-घोटालों की कड़ी में अब संस्कृत शिक्षकों की भर्ती में हुई धांधली का मामला भी शामिल हो गया है। पूरे प्रदेश में लगभग डेढ़ हजार पदों के लिए हुई इस भर्ती में अधिकारियों ने मनचाहे लोगों को नियुक्तियां दीं। लखनऊ मंडल में तो साक्षात्कार के नंबर पेंसिल से दिए गए ताकि बाद में उन्हें मिटाकर बदला जा सके। पूरे मामले पर कार्रवाई के लिए शिक्षा निदेशक वासुदेव यादव ने शासन को रिपोर्ट भेजी है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के विभिन्न स्कूलों में रिक्टियों के लिए साक्षात्कार पिछले साल हुआ था। इसके लिए मंडल स्तर पर बनी चयन समिति का अध्यक्ष संयुक्त शिक्षा निदेशकों को बनाया गया था। साक्षात्कार पूरा होते ही गोरखपुर, बस्ती, फैजाबाद, देवी पाटन, आजमगढ़ आदि मंडलों से साक्षात्कार प्रक्रिया को लेकर शिकायतें आने लगी थीं। कुछ लोगों ने हाईकोर्ट की भी शरण ले ली थी।

लखनऊ में भी साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हुई, लेकिन बाद में तत्कालीन शिक्षा निदेशक ने बिना अनुमति के परिणाम घोषित करने पर रोक लगी दी थी। इसके बाद चुनाव आचार संहिता लागू कर दी गई और परिणाम अधर में लटक गया। प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद माध्यमिक शिक्षा सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा के सामने कुछ लोगों ने लखनऊ में साक्षात्कार प्रक्रिया को लेकर शिकायतें की। इस पर उन्होंने

में 81 प्रतिशत अधिक धनराशि का प्रावधान किया गया है।

कब्रिस्तानों की बाउंड्री के लिए दो सौ करोड़ रुपये, मुस्लिम की दसवीं पास बालिकाओं के अनुदान पर सौ



करोड़ रुपये, बुनकरों के बकाया बिजली बिलों के एकमुश्त भुगतान के लिए 127.60 करोड़ रुपये की व्यवस्था इसका द्योतक है। पिछड़ों के हितों वाली योजनाओं पर भी सरकार ने बीते वर्ष से 40 प्रतिशत अधिक धन का प्रावधान कर उन्हें अपने पाले में बनाए रखने का प्रयास किया है।

बजट में अब तक उपेक्षित पड़े सैफई के विकास का रास्ता खोल दिया है। मुख्यमंत्री के गांव सैफई में पीजीआई के लिए 60 करोड़ तो पैरा मेडिकल कालेज के लिए 249 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यूपी ग्रामीण आयुर्वेदिक एवं अनुसंधान संस्थान के साथ ही

अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम भी बनेगा।

इसके साथ ही बब्बर शेर प्रजनन केंद्र और लायन सफारी पार्क पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। लोहिया पर्यावरणीय उद्यान के साथ ही समीप



के औरैया जिले को स्पोर्ट्स स्टेडियम का तोहफा दिया गया है।

इसी तरह कन्नौज में लाख बहोशी पक्षी विहार, लोहिया पर्यावरणीय उद्यान एवं, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी। वरिष्ठ मंत्री आजम खां भी रामपुर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के लिए दस करोड़ रुपये का प्रावधान कराने में सफल रहे। रामपुर में एस्ट्रो टर्फ हाकी मैदान के साथ ही एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के लिए भी सरकार ने बजट में धनराशि की व्यवस्था कर दी है।

#### बसपा ने पाल बंधुओं को पार्टी से निकाला

संवाददाता

देहरादून। बसपा ने दो बार विधायक रहे नारायण पाल एवं भीमताल से चुनाव लड़ चुके उनके भाई मोहनलाल को रविवार को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। पाल बंधुओं पर यह कार्रवाई पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलग्न होने के आरोप में की गई है। रविवार को काशीपुर में आयोजित पार्टी की नैनीताल संसदीय क्षेत्र की बैठक में यह निर्णय किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मेघराज जरावरे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर निष्कासित किया गया है। पाल बंधुओं के अब भाजपा का दामन थामने के आसार हैं। प्रदेश में लंबे अरसे से बैलेंस आफ पावर का मुकाम हासिल करने की जिह्ोजहद में जुटी बहुजन समाज पार्टी अपने दिग्गज नेताओं को जोड़कर रखने में नाकाम साबित हो रही है। अपने दो पूर्व विधायकों को पहले ही खो चुकी बसपा से अब दो बार विधायक रहे नारायण पाल की भी विदाई हो गई है।

दोनों नेताओं के भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। भाजपा विधायक किरण मंडल के इस्तीफे के बाद खाली हुई सितारगंज सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर इसे भाजपा की रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है।

## उत्तराखंड में कांग्रेस विधायक थामेगा भाजपा का हाथ

संवाददाता

देहरादून। विधायक किरण मंडल के इस्तीफे के झटके से तिलमिलाई भाजपा अब इससे उबरने की कोशिश में जुटी है। कोशिश कांग्रेस पर उसी की तर्ज में पलटवार करने की है। इसके लिए पार्टी पूरी शिद्दत से जुटी है। निगाह कांग्रेस के एक वरिष्ठ विधायक पर है। यह विधायक वर्तमान में पार्टी में अपनी उपेक्षा से इतने आहत हैं कि आगे की पारी भगवा पार्टी से कदमताल मिलाकर खेलने पर गंभीर हैं। सियासी परिदृश्य में यदि कोई खास बदलाव नहीं हुआ तो कांग्रेस को धीरे से जोर का झटका लगने की पूरी पटकथा लिखी जा चुकी है। भाजपा यदि अपने मकसद में कामयाब रही तो उत्तराखंड में कांग्रेस और भाजपा के बीच एक दूसरे के विधायकों को तोड़ने की सियासत नए कलेवर के साथ सामने आएगी। जिसमें आंतरिक कलह पर पर्दा डालने के लिए दोनों दल एक दूसरे के विधायकों को मोहरा बनाते नजर आएंगे। वैसे जिस घाव से भाजपा वर्तमान में कराह रही है।

उसकी शुरुआत भी उसी ने वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी के लिए सीट खाली कराने के लिए कांग्रेस विधायक टीपीएस रावत का इस्तीफा दिलाकर की थी। कांग्रेस ने सूबे की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा द्वारा शुरू की गई परिपाटी को आगे बढ़ाया। भाजपा तमाम प्रयासों के

बावजूद अपने विधायकों को एकजुट नहीं रख सकी और कांग्रेस ने मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के लिए सीट खाली कराने के लिए भाजपा विधायक किरण मंडल से इस्तीफा दिला दिया।

भाजपा के लिए यह किसी झटके से कम नहीं रहा, क्योंकि विधानसभा चुनाव में पार्टी कांग्रेस से केवल एक सीट से पीछे रह गई। इस झटके से उभरने के लिए अब भाजपा ने अपने घर को दुरुस्त करने की जगह एक बार के घर में संध लगाने की रणनीति बनाई है। भाजपा फिलवक्त कांग्रेस के असंतुष्ट चल रहे एक वरिष्ठ विधायक पर डोरे डालने में सफल हो गई है। पार्टी में अपनी उपेक्षा से त्रस्त यह विधायक पिछले कुछ दिनों से भाजपा के राज्य और केंद्रीय स्तर के कुछ बड़े नेताओं के संपर्क में हैं।

बताते हैं कि कांग्रेस विधायक की दिल्ली में भाजपा के कुछ वरिष्ठ केंद्रीय नेताओं से कई दौर की वार्ताएं भी हो चुकी हैं, लेकिन अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। कांग्रेस नेताओं को भी असंतुष्ट विधायक की भाजपा नेताओं से नजदीकी की भनक लग चुकी है और वह भी इनकी मनुहार में जुट गए हैं। वैसे यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति का नतीजा माना जा रहा है और सुनियोजित रणनीति के तहत पार्टी नेतृत्व पर दबाव बनाने के लिए उक्त विधायक की तरफ से इस तरह का दांव खेला जा रहा है।

### चार और सीएमओ पर गिरफ्तारी की तलवार

संवाददाता

लखनऊ। वैसे तो सीबीआइ ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग समय पर तैनात रहे लगभग सौ सीएमओ पर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) घोटाले में शामिल होने का संदेह जताया है, लेकिन संकेत यह है कि इनमें से चार की गिरफ्तारी जल्दी ही हो सकती है। सीबीआइ से मिले इनपुट के बाद यूपी सरकार ने सीएमओ तैनाती की जो सूची तैयार की थी, उनमें से चार के नाम हटा दिए हैं। सूब के स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन ने इन्हें फिलहाल महत्वहीन पदों पर ही तैनात रखने को कहा है। सूत्रों का कहना है कि यूपी सरकार ने आनन-फानन में यह कार्रवाई इसलिए की ताकि उसकी छवि पर कोई आंच न आने पाए। खुद स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन ने इस बात की पुष्टि की कि

उनके सामने जब सीएमओ की प्रस्तावित तैनाती सूची पेश की गई तो उसमें से उन्होंने चार लोगों के नाम हटवा दिए हैं। हालांकि उन्होंने यह मानने से इन्कार किया कि सीबाआइ से मिले इनपुट के बाद उन्होंने यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने सूत्रों से इन चिकित्साधिकारियों के घोटाले में शामिल होने की जानकारी मिली है, जिसकी वजह से उन्होंने यह कार्रवाई की है। रअगर केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें उन तत्कालीन सीएमओ की लिस्ट उपलब्ध करा दे, जिनके घोटाले में शामिल होने के उसे सबूत मिल गए हैं तो वह उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। दरअसल, इस मामले में ढाई सौ से अधिक लोगों के नाम सीबीआइ की सूची में दर्ज हैं, जो किसी न किसी मोड़ पर घोटाले में साझीदार रहे हैं।

### बिहार में युवक की पीट-पीट कर हत्या, बवाल

मोतिहारी। मुफरिसल थाना क्षेत्र के हरियन छपरा मठिया गांव में शनिवार की रात्रि शौच करने गए युवक वीरेंद्र कुमार उर्फ नन्हकी की कुछ लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार की सुबह घटनास्थल के समीप जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान तीन घरों में लूटपाट की और कथित तौर पर आरोपी परिवार के पांच लोगों को घर में बंद कर जिंदा जलाने का प्रयास किया। लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस पर भी जमकर पथराव किया और गोलियां भी चलाई। इस हमले में डीएसपी समेत आठ पुलिसकर्मी तथा चौदह ग्रामीण घायल हो गए हैं। सात लोगों को हिरासत में

लिया गया है। मृतक वीरेन्द्र की बहन गीता देवी ने बताया कि रात ग्यारह बजे उसका भाई शौच करने गया था, जिसे सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी केएन राय, विचारी राय, सेवानिवृत्त सेना के जवान सईद हुसैन उर्फ नन्हे साहब व सैदुल्लाह ने पीटकर मार डाला। उनके मुताबिक 1:30 बजे कृष्णा राय ने उसे सूचना दी कि तुम्हारा भाई बेहोश पड़ा है। जब उसके परिजन पहुंचे तो वह मर चुका था। शव सेवानिवृत्त सेना जवान के कैपस में पड़ा था। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सुबह सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी केएन राय के घर में घुसकर जमकर लूटपाट की, साथ ही गैरेज में लगी स्कॉर्पियो को क्षतिग्रस्त कर दिया।



## हमारे जवानों का मनोबल बहुत ऊंचा: धौनी

थिमैया हॉल (बारामूला)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और भारतीय सेना के ब्रांड एंबेस्डर लेफ्टिनेंट कर्नल

बातचीत में कहा कि वह शनिवार को भी राजौरी-पुंछ में सैन्यकर्मियों से मिले थे लेकिन उन्हें कहीं भी ऐसा नहीं लगा



(मानद) महेंद्र सिंह धौनी ने कहा कि हमारे जवानों का मनोबल बहुत ऊंचा है और मुझे नहीं लगता किसी को बाहर से लाकर उनका मनोबल बढ़ाया जा सकता। धौनी रविवार सुबह जम्मू से श्रीनगर एयरपोर्ट पहुंचकर हेलीकॉप्टर से उत्तरी कश्मीर के उड़ी सेक्टर में गए। इसके बाद एलओसी पर स्थित अमन कमान सेतु तक का सफर उन्होंने सेना की जीप से किया।

इस दौरान सैन्य अधिकारियों और जवानों के साथ मुलाकात की। उन्होंने बारामूला के थिमैया हॉल में संक्षिप्त

कि हमारे जवानों में मनोबल की कमी है। भारतीय सेना दुनिया की सबसे कर्घ्यव्यनिष्ठ, देशभक्त, अनुशासित सेना है। धौनी ने कहा कि जवानों और अधिकारियों से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। कश्मीर के हालात और युवाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यहां के नौजवानों में प्रतिभा की कमी नहीं है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी अमन की बहाली तभी संभव है, जब यहां के नौजवान खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं और भी कई खेल हैं।

## टेस्ट टीम की कप्तानी करने को तैयार गंभीर

संवाददाता

नई दिल्ली। अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइटराइडर्स को पहली बार आइपीएल चैंपियन बनाने वाले गौतम गंभीर भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करने के लिए भी तैयार हैं। टेस्ट टीम की कप्तानी करने के सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा कि जी हां, मैं इसके लिए तैयार हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

गंभीर के मुताबिक, टेस्ट टीम की कप्तानी में



आपकी मानसिक मजबूती और व्यक्तित्व की परख होती है। उन्होंने कहा कि मैंने भारतीय टीम का कप्तान बनने के बारे में बहुत सी बातें सुनीं, लेकिन जैसा कि मैंने कहा है कि सफल टीम ही कप्तान को सफल बनाती है, न कि कप्तान टीम को सफलता दिलाता है। भारत के लिए 48 टेस्ट और 134 वनडे खेल चुके गंभीर अब भी अपने आप को टीम में सुरक्षित नहीं मानते हैं। गंभीर ने कहा कि जहां तक क्रिकेट की बात है तो मैं काफी असुरक्षित महसूस करता हूं। अंडर-14 के दिनों से ही लोग कहते थे कि अगर मैं रन नहीं बनाऊंगा तो टीम से बाहर कर दिया जाऊंगा।

जब से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, तब से हर मैच आखिरी समझ कर खेलता हूं। अब भी अगर मैं दो या तीन मैचों में रन नहीं बनाता हूं तो मुझे लगता है कि मुझे टीम से बाहर कर दिया जाएगा। मैदान पर अति आक्रामक होने पर गंभीर ने स्वीकार किया कि मैं मैदान में जरूरत से ज्यादा जोश में आ जाता हूं।

ऑस्ट्रेलिया में शेन वाटसन (गंभीर ने वाटसन को कोहनी मारी थी) के साथ हुए वाक्ये को याद करते हुए

गंभीर ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन इसके तुरंत बाद मैंने सभी से माफी मांगी थी। आइपीएल में हुए विवादों पर दिल्ली के इस क्रिकेटर ने कहा कि जो भी विवाद हुए उनका खेल से कोई लेना देना नहीं है।

मैदान के बाहर कुछ भी होता है तो इसके लिए आप आइपीएल और बीसीसीआइ को दोषी नहीं ठहरा सकते। डेयर डेविल्स से केकेआर में जाने के बारे में उन्होंने कहा कि यह दिल्ली का फैंसला था। वो वीरू को रिटैन करना चाहते थे।

## उम्मीद है लोग खुश होंगे: आनंद

नई दिल्ली। पांचवीं बार विश्व चैंपियन बनने वाले विश्वनाथन आनंद को उम्मीद है कि उनके प्रदर्शन से भारतीय प्रशंसक खुश होंगे। पिछली बार उम्मीद के मुताबिक सम्मान नहीं होने के सवाल पर आनंद ने शुक्रवार को मास्को से फोन पर हंसते हुए कहा कि उम्मीद है इस बार सब ठीक होगा। देश से भी मुझे अनेक बधाई संदेश मिल रहे हैं। लोग मेरी इस उपलब्धि से खुश हैं। मैंने हर बार देश के लिए और देश ने मेरे लिए ऐसी सफलताओं पर गर्व महसूस किया। आनंद की पत्नी अरुणा ने कहा कि वह और उनका पूरा परिवार, खासतौर से चेन्नई में मौजूद माता-पिता इस जीत से बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि आनंद की मां सुशीला उनके घर पहुंचने पर खास व्यंजन और रसम बनाएंगी। आनंद ने भारत रत्न दिए जाने के मसले पर कहा कि यह उनके हाथ में नहीं है और वह इस बारे में कुछ नहीं सोच रहे हैं।

# गंगा दशहरा पर पूजा होती है गंगा की

गंगा दशहरा हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है जिसे पूर्ण भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इसी दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर अवतरण हुआ था। भविष्य पुराण में बताया गया है कि जो मनुष्य इस दिन गंगा के पानी में खड़ा होकर पूजन करता है वह इच्छित फल को पाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से दस पापों का हरण होकर अंत में मुक्ति मिलती है। वराह पुराण में लिखा गया है कि ज्येष्ठ शुक्ला दशमी बुधवारी में हस्त नक्षत्र में श्रेष्ठ नदी स्वर्ग से अवतीर्ण हुई थी वह दस पापों को नष्ट करती है। इस कारण उस तिथि को दशहरा कहते हैं।

इस पर्व के दिन मंदिरों को विशेष रूप से सजाया जाता है खासकर गंगा किनारे के मंदिरों की सजावट इस दिन देखते ही बनती है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाते हैं और पवित्र नदी का पूजन करते हैं। इस पर्व की छटा उत्तर भारत में विशेष रूप से संपूर्ण उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार में अलग ही रूप में देखने को मिलती है। यहां गंगा अवसर के दिन मेले का आयोजन भी किया जाता है। महर्षि व्यास ने गंगा की महिमा के बारे में पद्म पुराण में लिखा है कि सभी स्त्री.पुरुषों के लिए गंगा ही ऐसा तीर्थ है, जिनके दर्शन भर से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दिन दान और पूजन का भी विशेष महत्व बताया गया है।

**पूजन विधि**

गंगाजी की पूजा करने के लिए मंत्र इस प्रकार है. शोम नमो भगवति हिलि हिलि मिलि मिलि गंगे माँ पावय पावय स्वाहाश्। इसका अर्थ है, हे भगवति गंगे! मुझे बार.बार मिल, पवित्र कर, पवित्र कर। इस मंत्र के पठन के साथ पुष्प, दुग्ध, घी, शहद, मिष्ठान, वस्त्र इत्यादि से मां गंगा का पूजन किया जाना चाहिए तथा दान दक्षिणा दी जानी चाहिए। मां गंगा के पूजन के दौरान कोई संकल्प लेकर दस बार डुबकी लगानी चाहिए उसके बाद साफ वस्त्र पहन कर घी से चुपड़े हुए दस मुट्ठी काले तिल हाथ में लेकर जल में डाल दें। इसके बाद गंगाजी की प्रतिमा का

पूजन नीचे लिखे मंत्र के साथ करें.

नमो भगवत्यै दशपापहरायै गंगायै नाराय.यै रेवत्यै।

शिवायै अमृतायै विश्वरूपिण्यै नन्दिन्यै ते नमो नमरु।।

तत्पश्चात् भगवान नारायण, शिव, ब्रह्मा, सूर्य, राजा भगीरथ व हिमालय को वहां उपस्थित मानकर उनका भी पूजन करना चाहिए। इस दिन सोने अथवा चांदी के मछली, कछुए और मेंढक बनाकर उनकी पूजा कर नदी में डालने की भी

विधान है। अगर सोने.चांदी के नहीं बनवा पाएं तो आटे के भी बनाए जा सकते हैं।

**व्रत कथा**

एक बार महाराज सगर ने बड़ा व्यापक यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला, पर इन्द्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणामतः अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल छान मारा, पर अश्व नहीं मिला।

फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खोदने पर उन्होंने देखा कि साक्षात् भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर चोर चोर कहने लगी। महर्षि कपिल की समाधि टूट गई। ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गयी।

इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तप किया था। उस तप से प्रसन्न होकर ब्रम्हा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने गंगा की मांग की। इस पर ब्रम्हा ने पूछा. राजन! तुम गंगा



कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शंकर का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए।

महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रम्हाजी ने गंगा की धारा को अपने कमण्डल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका। अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई। उन्होंने एक बार फिर भगवान शिव की आराधना में घोर तप शुरू किया। तब कहीं भगवान शिव ने गंगा की धारा को मुक्त करने का वरदान दिया। इस प्रकार शिवाजी की जटाओं से छूटकर गंगाजी हिमालय की घाटियों में कल कल निनाद करके मैदान की ओर मुड़ीं। इस प्रकार भगीरथ पृथ्वी पर गंगावतरण करके बड़े भाग्यशाली हुए। उन्होंने जनमानस को अपने पुण्य से उपकृत कर दिया। युगों युगों तक बहने वाली गंगा की धारा महाराज भगीरथ के कष्टमयी साधना की गाथा कहती है। गंगा प्राणीमात्र को जीवनदान ही नहीं देतीं, मुक्ति भी देती हैं। इसी कारण भारत तथा विदेशों तक में गंगा की महिमा गाई जाती है।

## प्रोस्टेट की तकलीफों से बचाए सीताफल के बीज

लगभग तीस फीसदी पुरुष 40 की उम्र में और पचास फीसदी से भी ज्यादा पुरुष 60 की उम्र में प्रोस्टेट की समस्या से परेशान होते हैं। प्रोस्टेट ग्लैंड को पुरुषों का दूसरा दिल भी माना जाता है। पौरुष ग्रंथि शरीर में कुछ बेहद ही जरूरी क्रिया करती हैं। जैसे यूरिन के बहाव को कंट्रोल करना और प्रजनन के लिए सीमेन बनाना। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती हैं, यह ग्रंथि बढ़ने लगती हैं। इस ग्रंथि का अपने आप में बढ़ना ही हानिकारक होता है और इसे बीपीएच (बीनीग्न प्रोस्टेट हाइपरप्लेसिया) कहते हैं। प्रोस्टेट ग्लैंड ज्यादा बढ़ जाने पर कई लक्षण सामने आने लगते हैं जैसे यूरिन रूक-रूक कर आना, पेशाब करते समय दर्द या जलन और यूरिन ट्रेक्ट इन्फेक्शन बार-बार होना। प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ जाने से मरीज बार-बार पेशाब करने जाता है मगर वह यूरिन पास नहीं कर पाता। अगर बार-बार यह परेशानी होती है तो पौरुष ग्रंथि बढ़ने की संभावना हो सकती है। ऐसी

अवस्था मरीज के लिए कष्टदायक होती है। उसे समझ नहीं आता कि क्या किया जाना चाहिए।

दूसरे रोग की तरह प्रोस्टेट ग्लैंड बढ़ने पर भी इसका उपचार संभव है। ऐसी बहुत सी दवाइयां हैं, जिससे मरीज को काफी आराम महसूस होता है और वह सामान्य दिनचर्या जी सकता है। ऐसे में प्रकृति में भी बढ़िया उपाय हैं। जैसे सीताफल के बीज इस बीमारी में बेहद लाभदायक होते हैं। सीताफल के कच्चे बीज को अगर हर दिन अपने खाने में इस्तेमाल किया जाए, तो काफी हद तक यह प्रोस्टेट की समस्या से बचाव करने में मददगार होता है।

इन बीजों में ऐसे प्लांट केमिकल मौजूद होते हैं, जो शरीर में जाकर टेस्टोस्टेरोन को डिहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन में बदलने से बचाता है जिससे प्रोस्टेट कोशिकाएं नहीं बन पातीं। कच्चे सीताफल के बीज में काफी मात्रा में पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जैसे

आयरन, फॉस्फोरस, ट्रिप्टोफैन, कॉपर, मैग्नेशियम, मैग्नीज, विटामिन के, प्रोटीन, जरूरी फैटी एसिड और फाइटोस्टेरोल। ये बीज जिंक के बेहतरीन स्रोतों में से एक माने जाते हैं।

हर दिन 60 मिलीग्राम जिंक का सेवन प्रोस्टेट से जुड़ा रहे मरीजों में बेहद फायदा पहुंचाता है और उनके स्वास्थ्य में भी सुधार करता है। इन बीजों में बीटा-स्टोस्टेरोल भी होता है जो टेस्टोस्टेरोन को डिहाइड्रोटेस्टेरोन में बदलने नहीं देता। जिससे इस ग्रंथि के बढ़ने की संभावना न के बराबर हो जाती है। सीताफल के बीज कच्चा या भून कर या फिर दूसरे बीजों के साथ मिलाकर खा सकते हैं।

इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल किया जा सकता है। इसे सलाद में मिलाकर भी खाया जा सकता है। पोहा में मिलाकर या सूप में डालकर भी खा सकते हैं। सीताफल के बीज नट्स के साथ एक बेहतरीन नाश्ता हो सकते हैं।



# सनी की लॉजरी होगी नीलाम

एस. पी. बदौला  
कनाडा की पॉर्न स्टार से इंडियन  
स्टार बनीं सनी लियोन के बॉलिवुड में

लीड रोल कर रहीं सनी लियोन की लॉजरी की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। यह ट्रेंड हॉलिवुड में थैरॉन,

फिल्म की पूरी वॉर्डरोब को ऑनलाइन नीलाम करने की तैयारी कर ली है।  
ऐक्टर-डायरेक्टर पूजा भट्ट का कहना है

## एक हफ्ता पहले आएंगी 'जिस्म 2'

तपती गर्मी में मानसून आने की डेट आगे बढ़ने से परेशान दिल्ली वालों के लिए गुड न्यूज है। सनी लियोनी की फिल्म जिस्म 2 अपनी रिलीज डेट 3 अगस्त से एक हफ्ता पहले 27 जुलाई को रिलीज होगी। यह जानकारी 'जिस्म 2' के ऑफिशल ट्विटर अकाउंट पर दी गई है। तो, तैयार रहिए मानसून सीजन को और मजेदार बनाने के लिए!

कि वह जिस्म-2 की स्टार कार्ट के सारे कॉस्ट्यूम की नीलामी कर देंगी। फिलहाल फिल्म की शूटिंग श्रीलंका में चल रही है। पूजा के मुताबिक वह सनी लियोन, रणदीप हुड्डा और अरुणोदय सिंह की सारी वार्डरोब, यहां तक कि उनके अंडवेयर भी चौरिटी के लिए नीलाम करेंगी। वॉर्डरोब की नीलामी करना समझ में आता है लेकिन लॉन्जरी की नीलामी इंडिया में शायद थोड़ा अजीब है। पूजा के मुताबिक अगर उन्हें कभी मौका मिला तो वह जेवियर बारडेम की लॉन्जरी खरीदना पसंद करेंगी। पूजा जुलाई में मूवी की रिलीज से पहले ही सारी वॉर्डरोब की ऑनलाइन नीलामी कर देना चाहती हैं।



आने से हॉलिवुड ट्रेंड भी यहां आता जा रहा है। भट्ट कैंप की फिल्म जिस्म-2 में

कायरा नाइटली सहित कई हॉलिवुड सिलेब्रिटीज ने अपनाया है। पूजा भट्ट ने

# स्टाइल और फैशन पर खास ध्यान देती हूं: सोनम

जेएनयू, दिल्ली में पूरा दिन बिताकर मुंबई लौटें सोनम कपूर के पास शेरर करने के लिए कई किस्से हैं। उन्होंने हॉस्टल में रह रहे छात्रों से मुलाकात की। सुने किस्सों से उन्हें जेएनयू की अनोखी जानकारियां मिलीं। उन्हें पता चला कि वहां स्टूडेंट थोड़े लेफ्ट ओरिएंटेशन के होते हैं। हॉस्टल्स को नदियों का नाम दिया गया है। वहां एक खुलापन है। यहां पढ़ने और रहने के दौरान छात्रों के व्यक्तित्व का विकास होता है। कई बार वे अपनी पृष्ठभूमि और परिवेश की सीमाओं को लांघ कर कुछ नया सोचने और करने लगते हैं।

सोनम जेएनयू से कोई कोर्स नहीं कर रही हैं। दरअसल, वे अपनी अगली फिल्म रांझना में जेएनयू की छात्रा बनेंगी। उनकी इस फिल्म के निर्देशक तनु वेड्स मनु फेम आनंद राय हैं। रांझना में सोनम के साथ दक्षिण के उभरते स्टार धनुष हैं। धनुष की हाल ही में 3 रिलीज हुई है। इस फिल्म के गीत कोलावरी डी.. ने पूरे देश और विश्व में ज्वार सा ला दिया था।

सोनम रांझना में धनुष के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वे कहती हैं, मैंने फिल्म 3 देखी है। वे यों तो सामान्य लगते हैं, लेकिन किरदार में

आते ही जादू सा कर देते हैं। सोनम  
मिलखा सिंह के जीवन पर आधारित  
भाग मिलखा भाग भी कर रही हैं। राकेश  
ओमप्रकाश मेहरा निर्देशित इस फिल्म



के हीरो फरहान अख्तर हैं। सहज जिज्ञासा होती है कि सोनम इस फिल्म में क्या कर रही हैं? क्या वे मिल्खा सिंह की पत्नी बनी हैं या कुछ और? अभी नहीं बताऊंगी। फिल्म की शूटिंग तो होने दीजिए। समय आने पर सब बता दूंगी।

सोनम को प्लेयर्स के न चलने का दुख है, लेकिन वे मानती हैं, फिल्म में कुछ कसर रह गई थी इसलिए वह दर्शकों को पसंद नहीं आई। मेरा रोल और काम सभी को जंचा। मुझे तो फायदा हुआ, किंतु फिल्म चलती तो बहुत अच्छा लगता। प्लेयर्स में सोनम ने थोड़े बोल्ट सीन दिए थे। उन्होंने अपनी इमेज से बाहर निकलने की कोशिश की थी। वे समझाती हैं, मेरी अपनी स्टाइल है और कुछ मर्यादाएं भी। अगर निर्देशक किरदार की जरूरत समझाते हैं और मैं सहमत हो जाती हूं तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। सिर्फ फोटो, प्रमोशन या पब्लिसिटी के लिए मैं ऊल-जलूल पोज नहीं दे सकती।

चार साल के अपने करियर की  
तमाम फिल्मों में उन्हें पहली फिल्म  
सांवरिया, दिल्ली 6 और आयशा  
अधिक पसंद हैं। वे स्पष्ट करती  
हैं, फिल्में तो सारी पसंद होती हैं,  
क्योंकि पसंद आने पर ही मैं हां  
करती हूं। कई बार लिखी गई फिल्म  
और बनी फिल्म में फर्क आ जाता है।  
फिल्मों की सफलता मेरी खुशी तय  
नहीं करती। रिलीज के समय जिस  
फिल्म को असफल घोषित कर दिया  
जाता है, कई बार समय के साथ  
दर्शक उसे बड़ी कर देते हैं।

## स्पाइडर-मैन बनना आसान नहीं था -एंड्र्यू गारफील्ड

एंड्रयू गारफिल्ड और एम्मा स्टोन जो की आने वाली फिल्म द अमेजिंग स्पाइडर-मैन में मुख्य किरदार निभा रहे हैं, उन का कहना है कि इस फिल्म में नायक-नायिका की भूमिका निभाने के लिए हमी भरना उन के लिए आसान नहीं था.

अभिनेता एंड्रयू गारफील्ड फिल्म द अमेज़िंग स्पाइडर-मैन में स्पाइडर-मैन की भूमिका निभा रहे हैं. स्पाइडर-मैन के रूप में एंड्रयू

गारफील्ड का कड़ा मुकाबला पुराने स्पाइडर-मैन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता टोबी मैग्वायर से होगा क्यों की अभी तक लोगो ने सिर्फ टोबी मैग्वायर को ही स्पाइडर-मैन के रूप में देखा है.

इस बारे में 24 वर्षीय अभिनेता एंड्रयू गारफील्ड का कहना है कि मुझे ये डर सता रहा था कि जब लोग मुझे स्पाइडर-मैन के रूप में देखेंगे तो वो मेरी तुलना पुराने स्पाइडर-मैन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता टोबी मैग्वायर से करेंगे जो की अभी तक लोगों के बिच स्पाइडर-मैन की पहचान है और मुझे



स्पाइडर-मैन के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए उन से बेहतर काम करना पड़ेगा.

अपने डर को मानते हुए एंड्रयू ने कहा  
बड़ी शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती

है। दूसरी तरफ एम्मा स्टोन का कहना है जब मुझे फिल्म का प्रस्ताव आया तो मैं काफी घबरा गई थी कि इतना बड़ा किरदार कैसे निभा पाऊँगी. लेकिन आडीसन देने के बाद मुझे लगा कि इस फिल्म में काम करना एक मजेदार अनुभव होगा.

क्या स्पाइडर-मैन का ये नया चेहरा लोगों के बिच अपनी पहचान बना पायेगा ? क्या ये भी उतना ही लोगों के बिच लोकप्रिय होगा ? इन सब बातों का खुलासा होगा 29 जून 2012 को जब सोनी पिक्चर की फिल्म द अमेरिजिंग स्पाइडर-मैन भारत में रिलीज होगी.

## अक्टूबर में सात फेरे लेंगी लीजा

एक्ट्रेस लीजा रे ने इसी साल फरवरी में बैंक एग्जैक्युटिव जैसॉन डेनी से सगाई की थी, लेकिन उन्होंने अपनी शादी की डेट कन्फर्म नहीं की थी। लेकिन अब खबर है कि लीजा अपने फ्रियॉन्से से 20 अक्टूबर को शादी करने जा रही हैं। लीजा ने बताया, मैं लंबे समय से एक राइट पर्सन का इंतजार कर रही थी, जिसके साथ मैं अपनी जिंदगी बिता सकूँ। अब मेरा इंतजार खत्म हो गया है।

मैं जल्दी ही अपनी सारी ट्रैवलिंग और काम खत्म करके शादी की तैयारी में बिजी होने वाली हूँ। कैंसर के बाद यह मेरी दूसरी जिंदगी है और आज मैं समझ चुकी हूँ कि मेरे लिए क्या जरूरी है। वैसे, लीजा के शादी के लिए 20 अक्टूबर की तारीख चुनने की भी एक वजह है। दरअसल, यह डेट लीजा के बंगाली अंकल ने फाइनल की है, क्योंकि 20 अक्टूबर से ही दुर्गा पूजा शुरू हो रही है। आपको बता दें कि लीजा नेपा वैली में शादी करेगी। वेडिंग के दिन संगीत भी होगा, जिसे लीजा की क्लोज फ्रेंड नॉनी और किरण ऑर्गनाइज कर रही हैं। यही नहीं, उनकी शादी में इंडियन



माहौल भी खूब दिखाई देगा। बेशक, कैलिफोर्निया के कूल वेदर में वाइन और डिलिशियस फूड के साथ लीजा की शादी वाकई यादगार ममेंट होगी।

## विल स्मिथ ने बताया ओ के का मतलब

हॉलीवुड अभिनेता विल स्मिथ का मजाकिया अंदाज सभी दर्शकों को मेन इन ब्लैक की पिछली दोनों सीरीज में देखने को मिला था अब यही उनका मजाकिया अंदाज उन्हें मेन इन ब्लैक 3 में भी देखने को मिलेगा. फिल्म के एक सीन में वो ओ के का मतलब बताते हैं, महिला को मैं कहता हूँ ओ और पुरुष को कहता हूँ के और जब दोनों साथ में होते हैं तो उनको कहता हूँ ओ के. तो आप समझ गए ना विल स्मिथ के 'ओ के' का मतलब महिला पुरुष एक साथ यानि ओ के सोनी पिक्चर्स इंडिया की फिल्म मेन इन ब्लैक 3 25 मई को रिलीज हो रही है. श्री डी में बनी फिल्म मेन इन ब्लैक 3 हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु भाषा में भी दर्शकों को देखने को मिलेगी. इस फिल्म के निर्देशक हैं बैरी सोनेनफिल्ड.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अजय शर्मा ने मयंक ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस 794/95 गुरु रामदास एक्स., लक्ष्मीनगर दिल्ली - 92 से मुद्रित कराकर 6048, IInd Floor, Gali No.3, Block 2, Dev Nagar, Delhi-05 से प्रकाशित किया।

**RNI. No DELBIL/ 2006/19238** यह जरूरी नहीं कि पत्र में प्रकाशित लेख, रचनाएं आदि से संपादक और प्रकाशक सहमत हों, सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।